RAJBIL26868/2016/1284525
वर्ष 4 अंक 1 मूल्य 20

सामाजिक अभिरूचि का पर्याय

जयवर्द्धन

राजसमंद के प्रबुद्ध पाठक वर्ग की लोकप्रिय मासिक पत्रिका

हिन्दी मासिक पत्रिका
नवम्बर, 2020

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel
Jaivardhan News

पेज संख्या : 36 राजसमंद

दीप ज्योति परम ज्योति
दीप ज्योति जनार्दनः
दीपो हरतु मे पापं
दीप ज्योति नमोस्तुते!

कलम के दीप ने एक इंसान के जीवन में किया उजाला

प्रकाशन तिथि : माह की 1 से 15 तारीख

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

दीपोत्सव की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
नाथुसिंह चौहान
किशनसिंह बल्ला
happy diwali
शिव शक्ति मार्बल-झांझर

TVS
GANESH TVS
TVS
WE ARE IN THIS TOGETHER
STAY HOME STAY SAFE
#BeingSociallyResponsible
#SocialDistancing
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं
गणेश मोटर्स
टीवीएस चौराहा
कांकरोली

जयवर्द्धन

सम्पादक एवं प्रकाशक
ललिता राठौड़

निदेशक व उप सम्पादक
विजय शर्मा, लक्ष्मणसिंह राठौड़

सह सम्पादक
हितेन्द्रसिंह चौहान

सम्पादन सहयोगी
नरपतसिंह राठौड़

विज्ञापन प्रबंधक
जितेन्द्र शर्मा

वितरण विभाग
नारायण पालीवाल,
सुधीर दवे

कार्यालय पता
C/O **शक्ति स्पोर्ट्स**, शास्त्री मार्केट
कांकरोली, जिला राजसमंद
मो. 94142-39648, 96729-80901

सम्पादक, प्रकाशन एवं स्वामी ललिता राठौड़ द्वारा राजसमंद से प्रकाशित एवं रमेशचंद्र आचार्य द्वारा आचार्य प्रिंटर्स, हस्तिनापुर कांकरोली, जिला राजसमंद (राजस्थान) से मुद्रित

नोट : पुस्तक में प्रकाशित सामग्री में यथासंभव सावधानी बरती गई है। फिर भी त्रुटियों के ध्यानाकर्षण के लिए धन्यवाद। पत्रिका में प्रकाशित आलेख में लेखकों के अपने निजी विचार है। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र राजसमंद होगा।

जयवर्द्धन पत्रिका की वार्षिक सदस्यता का शुल्क मात्र 200 रुपए

सम्पादकीय

त्योहार हमारे जीवन की पाठशाला

दीपावली का त्योहार त्रेता युग में प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन के दिन प्रथम बार मनाया गया। इस दिन सम्पूर्ण अयोध्या को दीप शृंखला से सजाया गया। सभी प्रवेश द्वार पर बंदनवार बांधे गए। सम्पूर्ण प्रजा में इस दिन मिठाईयां बांटी गयी। तब से प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन यह दीपावली पर्व बड़े धूम धाम के साथ मनाया जाता है। सनातन धर्म में त्योहार हमारी संस्कृति और परम्पराओं के संवाहक तो है ही। साथ ही मनुष्य के बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास में भी इन त्योहारों का बड़ा योगदान है।

इस पर्व में दीप का बड़ा महत्व है। जिस प्रकार एक दीप अपने चारों तरफ एक आभामंडल बनाकर ज्योतिर्मय कर देता है। उसी प्रकार एक इंसान अपने जीवन के अंधकार में प्रसन्नता के दीप जलाकर खुशहाल कर सकता है। दीप स्वयं जलकर संसार को प्रकाशवान करता हैं। इसी प्रकार मनुष्य श्रीराम की तरह अपने ज्ञान और विवेक का दीप जलाकर परिवार के साथ अपने राष्ट्र को भी प्रकाशित कर सकता है। इस त्योहार में घर की साफ सफाई के साथ अपने मन की सफाई करने की भी प्रेरणा मिलती है। दीपावली के दूसरे दिन हम सभी अपने रिश्तेदार व स्नेहीजनों के यहां प्रणाम करने जाते हैं। इस दिन हमें यह भी प्रेरणा मिलती हैं कि अपने भीतर किसी के प्रति पनप रही कलुषता का त्याग कर अपने रिश्तों में प्रेम का संचार करें। गोवर्धन पूजा का अपना अलग ही महत्व है। नई फसल आ जाने के बाद चारो ओर खुशहाली का वातावरण बन जाता है। इस दिन सभी अपने गायों व बैलों को विभिन्न रंग लगाते हैं। उनके सींग पर मोरपंख बांधकर सजाते हैं। गोबर के गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा की जाती है। प्रभु श्री कृष्ण ने गोवर्धन पूजन की परम्परा प्रारंभ की। यह पूजा गोधन एवं धन धान्य उगाने वाली धरती का महत्व समझाती है। वर्तमान समय में उपेक्षित सड़क पर घूमते गोधन का संरक्षण करने की प्रेरणा इस त्योहार से मिलती है। हमारे त्योहार सिर्फ एक औपचारिक क्रियाएं नहीं, वरन हमारे जीवन की पाठशाला है।

विजय शर्मा
उप सम्पादक

इस अंक में खास...

1.	**कवर स्टोरी 1 :** एक लेख से बदला इंसानका जीवन	पेज- 7
2.	**व्यंग्य :** वोटर की बल्ले- बल्ले	पेज - 9
3.	**ऐतिहासिक झरोखा :** राजप्रशस्ति महाव्य, सर्ग 18-19	पेज- 10
4.	**कहानी :** बेईमानी का पैसा एक एक आंत फाड़कर निकलता है	पेज- 11
5.	**कविताएं :** देश है तो हम है, ओ मारी रूडी रूपाली नार, दीपक	पेज - 12
6.	**सामयिकी :** विस्तारवाद : वैश्विक विकृति	पेज - 13
7.	**राइजिंग अवेयरनेस :** Art of Giving Brings Happiness	पेज - 14
8.	**तीखी मिर्ची :** नेताओं की दिवाली, जनता का दिवाला	पेज - 16
9.	**समसामयिकी प्रश्नोत्तरी :** 15 प्रश्न और उत्तर	पेज - 21
10.	**मेरा गांव मेरे लोग :** नि:स्वार्थ सेवाभावी थे लल्लू दा और पेमा बा	पेज - 22
11.	**व्यंग्य :** खुश है जमाना, रेत में डूबे बच्चे	पेज - 24
12.	**राजस्थानी केणावतां**	पेज- 25
13.	**गुमनाम शख्सियत :** सिंगल मेन आर्मी- पद्मावती माजी महाराज	पेज - 26
14.	**मेवाड़ दर्शन :** मेवाड़ कुंभ : चारभुजा गढ़बोर	पेज - 28
15.	**व्यंग्य :** आपदा के सकारात्मक पहलू	पेज - 30
16.	**टेक्नीकल विंडो :** वायु प्रदूषण के संदर्भ में भारतीय मानक	पेज - 31

दीपावली पर्व पर जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
राजसमंद सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड -राजसमंद
उचित दाम
अच्छी गुणवत्ता
शुद्धता की गारंटी
जिले में सहकारी दवाघर
आरके जिला अस्पताल, कमला नेहरु अस्पताल कांकरोली,
सिटी डिस्पेंसरी राजनगर, गोवर्धन सामान्य अस्पताल नाथद्वारा
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आमेट,
देवगढ़, भीम, कुंभलगढ़, रेलमगरा, खमनोर
सदस्यों को 1 फीसदी छूट
जिले में सहकारी जनरल स्टोर
कमल तलाई, बस स्टैंड कांकरोली
किशोरनगर (मण्डा), राजसमंद,
आमेट, नाथद्वारा
भवानीसिंह कविया
प्रशासक
आलोक चौधरी
महाप्रबंधक
राजसमन्द सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड राजसमंद

ज्योति पर्व दीपावली की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
पानी टेंकर, रेती, पत्थर, गिट्टी, क्रेशर गिट्टी, ईंट व भराव एवं सभी प्रकार के बिल्डिंग मेटेरियल के लिए सम्पर्क करें।
Contact :
Kanhaiya Lal Tak
9571290408
9214440558
Manish Tak
9214440557
8003237980
कन्हैयालाल टाक
श्री गोराजी कालाजी कन्स्ट्रक्शन
civil contractor PWD MCR rajsamand
तुलसी विहार 100 फीट रोड, राजसमंद, जिला-राजसमन्द

'जय श्री गौराजी बावजी'
'श्री गणेशाय नमः'
'जय श्री कालाजी बावजी'
श्री तुलसी ट्रेडर्स
BIRLA SAMRAT
IMPROVED CEMENT
BIRLA SAMRAT CEMENT
बिरला सम्राट चेतक
एम पी बिरला ग्रुप
बिरला सम्राट
चेतक
सीमेंट
चेतक
हमारे यहां सीमेंट
सफेद सीमेंट, चिप्स मिलती हैं।
संजय टाक
8078681308
कन्हैयालाल टाक
9214440558
किशन टाक
9413830218
100 फीट रोड, राजसमन्द, जिला-राजसमंद 313324

उत्तम
इलेक्ट्रीकल्स एण्ड सेनेट्रीवेयर्स
उचित मूल्य पर इलेक्ट्रीक एवं सेनेट्री आईटम उपलब्ध
SSK Electrical Excellence
PRINCE
BONTON CABLES
ashirvad
Goldmedal SWITCHES & SYSTEMS
Corsa BATH FITTINGS

पूर्णशंकर बागोरा मो. 9950691936, 9414025471
जलचक्की रोड, कांकरोली, जिला-राजसमंद

उच्चतम क्वालिटी
की गृह सज्जा लाइट व सेनेट्री का सामान
होलसेल दर पर उपलब्ध

उत्तम लाइट 96804-90480 | **उत्तम सेनेट्री** 98297-27280

राजस्थान पत्रिका,
दैनिक भास्कर के साथ सभी
अखबारों में **विज्ञापन**
प्रकाशित कराने का एकमात्र स्थान
शक्ति एडवरटाइजिंग

सभी
प्रकार की
खेलकूद
सामग्री
मिलने का
राजसमंद
में एकमात्र स्थान

शक्ति स्पोर्ट्स
शास्त्री मार्केट, कांकरोली (राजसमंद)
94142-39648, 94144-73275

दीपोत्सव पर
हार्दिक शुभकामनाएं

बी.एस. राव
AA Class PWD Govt. Contractor
प्रदेश संयोजक
ऑल राजस्थान कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन, जयपुर

कलम के दीप ने एक इंसान के जीवन में किया उजाला

इम्पैक्ट — जयवर्द्धन में प्रकाशित लेख और उसके बाद रमेश सेन के जीवन में आया बदलाव

दिल का राजा रमेश सेन

राजसमन्द शहर की सड़कों पर घूमते एक फकीर की अनोखी कहानी। सभी को यह जानकर हैरानी होगी कि जयवर्द्धन में प्रकाशित एक लेखक के लेख ने राह पर गुजरते मेले कपड़े व बढ़ी हुई दाढ़ी वाले फकीर का जीवन बदल दिया। जिस इन्सान को देखकर सामान्यतया लोग दूर होकर गुजरते थे, उस इन्सान की सच्चाई जानकर आज सभी लोग सम्मान व श्रद्धा की नजर से उन्हें देखने लगे हैं।

आपको बताते हैं, दिल का राजा रमेश सेन की कहानी। बीते लगभग बीस वर्षों से रोज राजनगर निवासी रमेश सेन घर से निकल कर अबोले जीवों की दिनभर सेवा कर रहा है। रोज राह पर देखते ही उन्हें कुत्ते घेरलेते है जिन्हे वो बडे प्यार के साथ बिस्कुट एवं दूध पिलाते है। इन मुक प्राणियों की सेवाकर रमेश बडे आनन्द महसुस करते है। मुक प्राणियों की अनदेखी करते अमीरों के बीच रमेश एक बादशाह नजर आता है। रमेश के बेतरतीब मेले कपड़े और सन्यासी की तरह बढ़ी हुई दाढ़ी देखकर कोई भी उन्हें मानसिक बीमार या भिखारी समझकर उनकी क्रिया कलापो पर घोर नहीं करता था। सर्वप्रथम कांकरोली निवासी राहुल दीक्षित ने उनके कार्यो पर घोर किया और नियमित उनके सम्पर्क में रहते हुए उनसे आत्मीयता बढ़ाई।

फिर राहुल दीक्षित ने हमारी जयवर्द्धन पत्रिका में गुमनाम शख्सियत के रूप में उनके जीवन शैली पर एक आलेख लिखा, जिसे पढ़कर काफी लोगों का नजरिया बदल गया। यह लेख सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हुआ, जिसे पढ़कर दूर दूर से लोगों ने इस इन्सान की मदद के लिए हाथ बढ़ाए। ऐसे लोगों में एन्टी करेप्शन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर डॉ. सलीम खान व राहुल दीक्षित की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने इनसे सम्पर्क कर राहुल दीक्षित व काव्यगोष्ठी मंच कांकरोली के साथ इस गुमनाम शख्सियत के स्वागत- सम्मान की योजना बनाई।

इस पर श्री रमेश सेन को सुबह राजसमंद झील किनारे नौचोकी पाल पर नहलाया गया और भगवा वस्त्र पहनाकर एक सुसज्जित रथ में बिठाकर शहर में सवारी निकाली गई। पूरे रास्ते में लोग अचरज भरी निगाहों से देखते रहे और कई लोगों ने उनका स्वागत व सम्मान भी किया। कुछ लोगों ने उनके पैर छूकर आशिर्वाद भी लिया। यह शोभायात्रा गोपालकृष्ण वाटिका कांकरोली में आकर रूकी, जहां शिक्षाविद्, साहित्यकार व समाजसेवियों की उपस्थिति में अभिनन्दन किया गया और इनका जीवन परिचय सभी को सुनाया गया। इस कार्यक्रम में न्यायधीश नरेंद्र कुमार, नगरपरिषद सभापति सुरेश पालीवाल, समाजसेवी विनोद सनाढ्य, गणेश गुर्जर, शिक्षाविद् डॉ. राकेश तैलंग, साहित्यकार अफजल खां अफजल, सूर्यप्रकाश दीक्षित, धीरेन्द्र शिल्पी, हमीद शेख, डॉ. गोविंद दीक्षित, सुनील व्यास, सतीश आचार्य, बंकेश सनाढ्य, प्रकाश जांगीड़, ध्रुवश्री दीक्षित, ज्योत्सना पोखरना आदि मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि रमेश सेन के अनूठे नागरिक सम्मान से

आम लोगों में मूक प्राणियों की सेवा की जागृति आई है। वहीं दूर दूर से प्रतिष्ठित लोगों द्वारा भी रमेश के कार्यों को सराहा गया है। फिल्म अभिनेता रजा मुराद ने भी रमेश सेन की हर स्तर पर सहायता करने की मोबाइल पर बात कही है। वहीं फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने भी रमेश सेन को इकलाई प्रेषित की है। साथ ही राहुल दीक्षित व डॉ. सलीम को भी काफी लोगों ने धन्यवाद दिया है। राहुल के जयवर्द्धन में लिखे एक लेख और डॉ. सलीम के साथ नागरिक सम्मान से आम इंसान का जीवन बदल गया।

वोटर की बल्ले- बल्ले

पीयूष कुमार द्विवेदी 'पूतू'
सहायक प्रोफेसर हिंदी विभाग रामभद्राचार्य
विकलांग विश्वविद्यालय यूपी 8604112963

किसी भी मजबूत लोकतंत्र की प्रमुख पहचान समय से होने वाले चुनाव होते हैं। चुनाव नेता रूपी हाथी पर अंकुश लगाने का अंकुश है, जिसके भय से नेता निरंकुश नहीं होते हैं। हिटलरशाही शासन सबसे पहले चुनाव को खत्म करता है, क्योंकि चुनाव से शासन के अत्याचार खत्म किए जा सकते हैं।

लोकतांत्रिक सागर में नाव को चुनने को चुनाव कहते हैं। नाव अर्थात् नेता और चुनने वाला यानी वोटर, चुनने की प्रक्रिया यानी चुनाव। जैसे जब हम नौकाविहार के लिए किनारे पर खड़े होते हैं, तो तरह- तरह की नौकाएं हमारी ओर दौड़ने लगती हैं और अपनी- अपनी खूबियां गिनाने लगती हैं। अब यह हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि हम किसको चुनते हैं ? सजी-धजी फुस्स नौका या फिर सजावट विहीन मजबूत नौका । प्रलोभन तो सभी देते हैं तथा सपने ऐसे दिखाते हैं कि गंजे भी कंघों के सेट खरीदने में जुट जाते हैं। पोपले भी अखरोट के बोरे खरीदने लगते हैं कि दांतों के सेट तो अब बंटने वाले हैं ।

चुनाव को अगर चरण लोटन प्रक्रिया कहा जाए, तो ज्यादा ठीक होगा। चुनाव के आते खद्दरधारी परजीवी दिखने लगते हैं, जिस तरह बरसात के समय परवाने शमां के इर्द- गिर्द चक्कर काटने लगते हैं। वैसे ही हर पांच साल बाद नेता वोटरों को उनकी दिव्यता का एहसास दिलाने लगते हैं। चुनाव से पहले नेताओं की चरण वंदना वोटर करते हैं, लेकिन चुनाव के आते ही यह प्रक्रिया उलट जाती है और नेताओं की चरणलोटन क्रिया देखते ही बनती है। ऐसा प्रतीत होने लगता है कि वोटरों की आत्मा के परमात्मा नेताओं को साक्षात् नजर आने लगे हैं और उनकी संतुष्टि के तन- मन- धन अर्पित करना चाह रहे हैं, उनके सारे दुःख अपने मान लेते हैं और मिटाने का स्वांग करते हैं।

चुनाव के समय वोटर देवता की कोटि में आ जाते हैं और उनकी भृगुटी विलास का अनुसरण नेता करते हैं, जो वोटर सच में अपने को देव मान लेते हैं वो अपने आराधक से सोमरस तथा आमिष भोज्य पदार्थों की मन में कल्पना करने लगते हैं और वो कल्पनापाश से बाहर भी निकल नहीं पाते कि सामने हाला, प्याला और मसाला रख दिया जाता है। चुनावभर वोटरों के मुख विभिन्न प्रकार के गुटखों से परिपूर्ण रहते हैं। ऐसे खान- पान वालों को लगता है कि बहारे चुनाव कभी जाए ही नहीं, क्योंकि मुफ्तखोरी किसे अखरती है ?

चुनाव बांटने का दौर होता है। नेता शब्द के प्रत्येक अक्षर का अगर अलग- अलग मतलब निकाला जाए, तो नहीं एकता- ताकत आपस में रहने पाए निकलेगा। क्योंकि इससे सब समाज की मुख्य समस्याओं की ओर ध्यान देने लगेंगे, जिससे जाति, धर्म, समुदाय जैसे गैरजरूरी मुद्दे हाशिए में चले जाएंगे और शिक्षा, सेहत, बेरोजगारी जैसे हाशिए वाले मुद्दे केंद्र में आ जाएंगे, जिससे कलयुगी शकुनियों को अपने दांव चलने में परेशानी होगी।

जितने भी चुनाव होते हैं उसमें अगर जाति, धर्म, सम्प्रदाय को निकाल दिया जाए तो वे सब मेरुदंड हीन मनुष्य की भांति हो जाएंगे। विकास की बात हर नेता करता है, परंतु यह स्पष्ट कभी नहीं करता कि जीतने के बाद मैं अपना विकास तो कर लूंगा, पर आप लोग अपने- अपने विकास की कल्पना करके खुश होते रहना।

भारतीय वोटर क्षणिक शानो- शौक की चकाचौंध में ऐसे चुंधिया जाते हैं कि उनको न तो अतीत के कष्ट याद रहते हैं और न ही भविष्य की कालिमा दिखाई देती है। वादों की रसमलाई देखकर अपने हाथों के चनों को भी फेंककर नाचने लगते हैं।

हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधी जहां से आप जयवर्द्धन मासिक पत्रिका प्राप्त कर सकते हैं एवं वार्षिक बुकिंग कर सकते हैं।

भीम - हीरालाल भाट मो 99296396015
देवगढ़ - अभिषेक माहेश्वरी, मो. 97856-85611
रेलमगरा - रोशनलाल टुकलिया मो. 9414927728
आमेट - मॉडर्न स्टेशनर्स, लक्ष्मी बाजार, आमेट
खमनोर - दिलीप श्रीमाली, मो. 99285-60237
गोमती चौराहा, चारभुजा- भीमराज कोठारी मो. 9610973283
बिनोल - हितेश दवे मो. 7023480406
कुंवारिया - विनय दाधीच मो. 7665005378
नाथद्वारा - कीर्ति स्टेशनर्स, नई सड़क
गजपुर - प्रभुदास वैष्णव मो. 7568485624
मोही - बाबूलाल कीर, मो. 98292-41423

‘राज प्रशस्ति’ महाकाव्य

तैलंग पं. रणछोड़ भट्ट का अनुपम शिला शब्द शिल्प

जलदर्पण में निहारता संगमरमरी शब्द सौन्दर्य

अष्टादश सर्ग

‘राज प्रशस्ति’ की उन्नीसवीं शिला पर उत्कीर्ण अठारहवां सर्ग राणा राजसिंह के नवनिर्मित जलाशय के लोकार्पण जिसे गत सर्ग में उन्होंने ‘जलोत्सर्ग विधान’ कहा है, पर श्रेष्ठ विप्र वर्ग को विभिन्न भौतिक सम्पत्ति आदि के दान का वर्णन कर राणा की प्रजा वत्सलता का उदाहरण प्रस्तुत करता है। विशेष बात यह है कि राणा द्वारा पात्र विद्वानों को दान देकर वे दानवीरता के माहात्म्य की प्रेरणा इन अधीनस्थों को देते हैं। फलस्वरूप वे चिह्नित प्रजाजन भी स्वयं द्वारा अर्जित धन व सम्पत्ति को उदारता के साथ अन्य को दान करते हैं। मुख्यतः राणा ने अपनी ओर से अनेक ग्राम अपने विश्वस्त व प्रिय पुरोहित गरीबदास को सहर्ष दिए।

साक्षात् इन्द्र अपने सहस्त्राक्षों से जिस भव्य आयोजन के दर्शन कर रहा हो, उस मांगलिक अवसर पर सभी ने चंद्रमा की कलाओं के समान राजसिंह की यशवृद्धि की कामना की। इस पुण्यकाल में राणा से प्रेरित होकर राजमहिषी, गरीबदास, टोड़ा की राजमाता एवं सलूंबर राव ने भी यथाशक्य दानादि कर राणा के प्रति अपनी सामाजिक जवाबदेही का परिचय दिया। यह सर्ग राजसिंह की अनुपम उदारता, प्रजा वत्सलता और पितृ तुल्य योगक्षेम व अभिभावकत्व का परिचय देता है। रणछोड़ ने लिखा भी-

‘‘अस्य श्रीप्रेक्षिलोक्तिर्दिक्पालांशयुतोह्यम्
इन्द्र प्रचेतोधनदश्रीशानांशाधिकत्ववान्।’’

विप्रों की दरिद्रता को सदा के लिए समाप्त करने वाले राणा के दान पुण्य के इस शुभ दिन से ही इस जलाशय को राजसमुद्र, पहाड़ पर स्थित महल को राज मंदिर और संलग्न बस्ती को राजनगर कहा जाने लगा। यहीं रणछोड़ भट्ट ने राजसमुद्र के तट पर बिराजे द्वारकाधीश की स्तुति भी की है। कांकरोली को द्वारिका के समान बताया है और इस विशाल राजसमुद्र को अन्य सागरों से भी बढ़कर मान दिया है।

सर्ग का विश्राम होता है राणा राजसिंह द्वारा निर्मित राजसमुद्र के प्रतिष्ठा पर्व की तिथि के उल्लेख के साथ जो माघ शुक्ला पूर्णिमा वि.सं. 1732 है।

एकोनविंश सर्ग

‘राज प्रशस्ति’ की बीसवीं शिला पर अंकित उन्नीसवें सर्ग को रचनाकार ने क्षीरसिंधु कहा है। क्योंकि जब ब्रह्मांड के समस्त रत्न खारे समुद्र से उत्पन्न हुए हैं, तो राजसमुद्र तो क्षीर के समान सुस्वादु मीठे जल का सागर होने से अधिक प्रिय होगा ही। शिल्पकार के अनुसार राणा राजसिंह की देन ऋषि अगस्त्य, श्रीकृष्ण और राजा सगर के सौ पुत्रों से भी कहीं अधिक है। क्योंकि इन सभी की तुलना में राणा ने इस जलाशय को रहंटों से खींचे जल से मीठा व शीतल कर दिया। सीमा को कांकरोली व राजनगर नगर निर्माण के लिए पृथक से भूमि ले आबाद कर दिया और इसे स्वयं ही निर्मित किया। किसी अन्य की सहायता नहीं ली। यहां तक कि इस समुद्र में समाए किनारे के ग्राम भी मानों तटवर्ती होकर ‘वरुण लोक’ के द्वार हो गए हैं और वे खेत जो जलमग्न हुए, वे वस्तुतः मानों ‘तीर्थ क्षेत्र’ हो गए। रणछोड़ भट्ट के शब्दों में यह त्रिवेणी संगम प्रयागराज के समान है।

ऐसे सुन्दर और जनोपयोगी राजसमुद्र के प्रतिष्ठा समारोह में आगत असंख्य ब्राह्मणादि अतिथियों के मध्य विभूषित महा दानवीर राणा राजसिंह का आनंददायक चरित्र यहां वर्णित किया गया है। स्वर्णाभूषणों के दान से राजनगर के व्यापार को समृद्ध बनाने वाले इस नगर को लेखक ने स्वर्णमय नगरी के रूप में वर्णित किया है। राणा जी के तुलादान से जो धनधान्य से परिपूर्ण हो गए एवं दान लेने वाले अब स्वयं इस अर्जित धन राशि का व्यापार कर रहे हैं। परोक्ष रूप में अपने राज्य के अर्थ तंत्र को सुदृढ बनाने का राणा राजसिंहजी का यह सुविचारित उपक्रम कहा जा सकता है।

‘‘तुलाकर्त्तुर्द्रव्यं क्षितिप भवतरूप्राप्य गुणिनरू।’’ (37)

प्रस्तोता :

डॉ. राकेश तैलंग
वरिष्ठ साहित्यकार
द्वारकेश मार्ग, कांकरोली
मो. 9460252308

बेईमानी का पैसा पेट की एक-एक आंत फाड़कर निकलता है

अरुण राजहंस जो कुलदीप टॉकीज गली बोकारो नामक शहर में एक मेडिकल स्टोर चलाते थे, उन्होंने अपने जीवन का एक पृष्ठ खोलकर सुनाया, जो पाठकों की आंखें भी खोल सकता है और शायद उस पाप से, जिसमें वह भागीदार बना, उससे भी बचा सकता है। बोकारो जैसे शहर में एक मेडिकल स्टोर था, जो कि अपने स्थान के कारण काफी पुराना और अच्छी स्थिति में था, लेकिन जैसे कि कहा जाता है कि धन एक व्यक्ति के दिमाग को भ्रष्ट कर देता है और यही बात अरुण राजहंस जी के साथ भी घटित हुई।

अरुण जी बताते हैं कि मेरा मेडिकल स्टोर बहुत अच्छी तरह से चलता था और मेरी आर्थिक स्थिति भी बहुत अच्छी थी। अपनी कमाई से मैंने जमीन और कुछ प्लॉट खरीदे और अपने मेडिकल स्टोर के साथ एक क्लीनिकल लेबोरेटरी भी खोल ली। लेकिन मैं यहां झूठ नहीं बोलूंगा। मैं एक बहुत ही लालची किस्म का आदमी था, क्योंकि मेडिकल फील्ड में दोगुनी नहीं, बल्कि कई गुना कमाई होती है। शायद ज्यादातर लोग इस बारे में नहीं जानते होंगे कि मेडिकल प्रोफेशन में 10 रुपए में आने वाली दवा आराम से 70- 80 रुपए में बिक जाती है, लेकिन अगर कोई मुझसे कभी दो रुपए भी कम करने को कहता तो मैं ग्राहक को मना कर देता। खैर, मैं हर किसी के बारे में बात नहीं कर रहा हूं, सिर्फ अपनी बात कर रहा हूं।

वर्ष 2008 में गर्मी के दिनों में एक बूढ़ा व्यक्ति मेरे स्टोर में आया। उसने मुझे डॉक्टर की पर्ची दी। मैंने दवा पढ़ी और उसे निकाल लिया। उस दवा का बिल 560 रुपए बन गया। लेकिन बूढ़ा सोच रहा था। उसने अपनी सारी जेब खाली कर दी लेकिन उसके पास कुल 180 रुपये थे। मैं उस समय बहुत गुस्से में था क्योंकि मुझे काफी समय लगाकर उस बूढ़े व्यक्ति की दवा निकालनी पड़ी थी और ऊपर से उसके पास पर्याप्त पैसे भी नहीं थे। बूढ़ा दवा लेने से मना भी नहीं कर पा रहा था। शायद उसे दवा की सख्त जरूरत थी। फिर उस बूढ़े व्यक्ति ने कहा, मेरी मदद करो। मेरे पास कम पैसे हैं और मेरी पत्नी बीमार है। हमारे बच्चे भी हमें पूछते नहीं हैं। मैं अपनी पत्नी को इस तरह वृद्धावस्था में मरते हुए नहीं देख सकता, लेकिन मैंने उस समय उस बूढ़े व्यक्ति की बात नहीं सुनी और उसे दवा वापस छोड़ने के लिए कहा। यहां पर मैं एक बात कहना चाहूंगा कि वास्तव में उस बूढ़े व्यक्ति की दवा की कुल राशि 120 रुपये ही बनती थी। अगर मैंने उससे 150 रुपए भी ले लिए होते तो भी मुझे 30 रुपए का मुनाफा ही होता। लेकिन मेरे लालच ने उस बूढ़े लाचार व्यक्ति को भी नहीं छोड़ा। फिर मेरी दुकान पर खड़े एक दूसरे ग्राहक ने अपनी जेब से पैसे निकाले और उस बूढ़े आदमी के लिए दवा खरीदी। लेकिन इसका भी मुझ पर कोई असर नहीं हुआ। मैंने पैसे लिए और बूढ़े को दवाई दे दी।

समय बीतता गया और वर्ष 2009 आ गया। मेरे इकलौते बेटे को ब्रेन ट्यूमर हो गया। पहले तो हमें पता ही नहीं चला। लेकिन जब पता चला तो बेटा मृत्यु के कगार पर था। पैसा बहता रहा और लड़के की बीमारी खराब होती गई। प्लॉट बिक गए, जमीन बिक गई और आखिरकार मेडिकल स्टोर भी बिक गया, लेकिन मेरे बेटे की तबीयत बिल्कुल नहीं सुधरी। उसका ऑपरेशन भी हुआ और जब सब पैसा खत्म हो गया तो आखिरकार डॉक्टरों ने मुझे अपने बेटे को घर ले जाने और उसकी सेवा करने के लिए कहा। उसके पश्चात 2012 में मेरे बेटे का निधन हो गया। मैं जीवनभर कमाने के बाद भी उसे बचा नहीं सका।

2015 में मुझे भी लकवा मार गया और मुझे चोट भी लग गई। आज जब मेरी दवा आती है तो उन दवाओं पर खर्च किया गया पैसा मुझे काटता है। क्योंकि मैं उन दवाओं की वास्तविक कीमत को जानता हूं। एक दिन मैं कुछ दवाई लेने के लिए मेडिकल स्टोर पर गया और 100 रुपए का इंजेक्शन मुझे 700 रुपए में दिया गया। लेकिन उस समय मेरी जेब में 500 रुपए ही थे और इंजेक्शन के बिना ही मुझे मेडिकल स्टोर से वापस आना पड़ा। उस समय मुझे उस बूढ़े व्यक्ति की बहुत याद आई और मैं घर चला गया। मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि ठीक है कि हम सभी कमाने के लिए बैठे हैं। क्योंकि हर किसी के पास एक पेट है, लेकिन वैध तरीके से कमाएं, ईमानदारी से कमाएं। गरीब लाचारों को लूट कर कमाई करना अच्छी बात नहीं है, क्योंकि नरक और स्वर्ग केवल इस धरती पर ही हैं, कहीं और नहीं। और आज मैं नरक भुगत रहा हूं। पैसा हमेशा मदद नहीं करता। हमेशा ईश्वर के भय से चलो। उसका नियम अटल है, क्योंकि कई बार एक छोटा सा लालच भी हमें बहुत बड़े दुख में धकेल सकता है।

देश है तो हम है

ये कैसा वक्त आया है,
हम सबको घरों में दुबकाया है,
कोरोना को हराने के लिए,
सब में देशभक्ति का दम है।
इतना तो त्याग करना ही पड़ेगा,
क्योंकि देश है तो हम है ।
मोदीजी की बातें मानों,
घर को ही स्वर्ग जानो,
कोरोना को भगाने के लिए
क्या लक्ष्मण रेखा कम है।
इतना तो त्याग करना।
बार बार हाथ साबुन से धोना,
मुंह पर मास्क का जरुर होना,
कोरोना से जीतने के लिए
भीड़ भाड़ से दूर रहने में क्या ग़म है।
इतना तो त्याग करना।
बीत गए इससे भी बुरे वक्त।
हम हारेंगे नहीं,
इन रगो में हे राम कृष्ण का रक्त ए।
कोरोना! ये चीन ए अमेरिका
या इटली ए ईरान नहीं,
ये भारत माता का दम है।
इतना तो त्याग करना।
कहता है प्रीतम हम सावधानी रखे,
बाहर का खाना कभी न चखे,
कोरोना को मारना है,
तो मैं नहीं बोलो हम है,
इतना तो त्याग करना ही पड़ेगा,
क्योंकि देश है तो हम है।

बख्तावर सिंह चुंडावत 'प्रीतम'
आमेट, राजसमन्द
मो. 9413287301

ओ मारी रूडी रूपाली नार

ओ मारी रूडी रुपाली नार
ओ मारी रूडी रुपाली नार,
इं टेम मत कर अतरो प्यार,
कोरोना घर- घर में आइग्यो,
पेलां करला वणी सु हाथ दो चार
इं टेम मत कर अतरो प्यार,
ओ मारी रूडी रुपाली नार,
इं टेम मत कर अतरो प्यार।

कोरोना वाइरस ने राखनो है,
आपां सबा सू छेटी
सब लोगां ने हाथ साबुन सू,
आपणा धोना है बारम्बार
इं टेम मत कर अतरो प्यार,
ओ मारी रूडी रुपाली नार,
इं टेम मत कर अतरो प्यार।

घर रे बारे जद निकलो तो,
मुंडा पे मास्क बांधन राखनो है
हंगला पेली डॉ क्टर पा जानो है
और आवे सर्दी खांसी और बुखार
इं टेम मत कर अतरो प्यार,
ओ मारी रूडी रुपाली नार,
इं टेम मत कर अतरो प्यार।

बाजार सू हरी साग लावा री जिद,
मत करजो हुनलो मारी वात
पुरुषोत्तम रो यूं केणो है,
घर री दाल रोटी खावा
ने हो जाओ तैयार
इं टेम मत कर अतरो प्यार,
ओ मारी रूडी रुपाली नार,
इं टेम मत कर अतरो प्यार
कोरोना घर- घर में आइग्यो,
पेलां करला वणी सु हाथ दो चार
इं टेम मत कर अतरो प्यार।

पुरुषोत्तम शाकद्वीपी
वरिष्ठ साहित्यकार
मो. 98109-60285

दीपोत्सव मनाएंगे

दीपोत्सव मनाएंगे
दीपोत्सव की यह पावन वेला
हम स्नेह दीप जलाएंगे।
मन में छाया घोर तम सब
इस बार इसे दूर भगाएंगे।

दीपोत्सव मनाएंगे
चाह यही चमके सब अंतस मन,
कलुषित विचार मिटायेंगे।
अमीरी गरीबी दूरी मिटा हम,
आनंद सब मिल उठाएंगे।

दीपोत्सव मनाएंगे
राम की राह चलेंगे हम सब,
माता -पिता न दुख पहुंचाएंगे।
अमन.चैन भाईचारे की रोशनी,
बस जग अब यही फैलाएंगे।

दीपोत्सव मनाएंगे
उजड़ रहा धरा उपवन साराए
सींच प्यार से उसे बचाएंगे।
परिजन दूर हुए उन्हें गले लगा,
सुखी बगिया महकाएंगे।

दीपोत्सव मनाएंगे
मिट्टी का दिया जला कर हमए
स्वाभिमान अपना बचाएंगे।
स्वदेशी में है दम कितनाए
यह सबको अब दिखाएंगे।

दीपोत्सव मनाएंगे
एक दिया उन शहीदों के नाम,
इस बार हम भी जलाएंगे।
कुर्बान हुए रक्षार्थ हमारे वीणा,
देश प्रेम पाठ सब पढ़ाएंगे।

वीणा वैष्णव 'रागिनी'
कांकरोली, राजसमंद
मो. 99286-40870

दीपक

सजी गृहों में दीप- पंक्तियां,
दीप- महोत्सव आया है
कालरात्रि के तम से लड़ने,
दीप लघु इक आया है।

घोर तमस है, अमा निशा है,
बीहड़ वन गहराया है
लघुशिखा की क्षीण ज्योति ले
दीप लघु इक आया है।

आज पराजित करूं तमस को,
प्रण लेकर ही आया है,
रण करता उनचास मरुत से,
दीप लघु इक आया है।

अट्टहास असुरों का भव में,
सकल जगत थर्राया है,
लघुनख से तमजाल काटने,
दीप लघु इक आया है।

अंधकार से जग को ढकने,
दीर्घ- तमस घन आया है
महा-तमस घन को छितराने,
दीप लघु इक आया है।

उद्यम साहस हृदयदेश में
लेकर लड़ने आया है
अपरिमित उत्साह लिए फिर,
दीप लघु इक आया है।

कृष्णकांत सांचीहर
कवि, कांकरोली
मो. 75682-32861

जयवर्द्धन की वार्षिक बुकिंग मात्र 200 रु. में
मो. 94142-39648

राजसमंद जिले की खबरों से अपडेट रहने के लिए सब्सक्राइब करें
YouTube Channel
Jaivardhan News

विस्तारवाद : वैश्विक विकृति

दीपावली पर साफ सुथरे और लिपे- पुते घरों से दीपकों, मिठाइयों और पटाखों की सूचियां तैयार हो रही होंगी। विश्व पटल पर अजरबेजान और आर्मेनिया के युद्ध की धमक शांत नहीं हुई है। फ्रांस में संवेदनहीनता और जीवन मूल्यों पर हमले हुए हैं, जिस पर दुनिया दो खेमों में बंट गई है। फिर भी अच्छा ही होगा, इसी आशा के साथ दीपावली की शुभकामनाएं।

अजरबेजान और आर्मेनिया का द्वंद्व अभी का और नया नहीं है। दोनों देशों में जमीन के एक 4400 वर्ग किमी. के नगोर्नो काराबाग क्षेत्र को लेकर कई बार झड़पें हुई हैं। कई लोग युद्ध में मारे गए और कई निरीह लोगों को हमेशा के लिए सुला दिया गया, लेकिन इस बार मामला अलग है। क्योंकि इसमें कुछ अन्य देशों के हित और स्वार्थ जुड़े हैं। टर्की मुस्लिम देशों का नेता और पाकिस्तान हितचिंतक के रूप में कूदे हैं।

टर्की अपने को ताकतवर दिखाकर दक्षिण- पश्चिम एशिया पर अपनी पकड़ बनाना चाहता है। चीन ने पाकिस्तान को आगे धकेलकर अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए अपनी जगह बनाए रखी है। चीन विस्तारवादी है और वह पैर पसारना ही सीखा है। पाकिस्तान तो भूख और आतंकियों के हाथों कठपुतली बना हुआ है। जो बस मुंह मारना ही जानता है। भले ही उसकी अपने घर में या घर के बाहर पिटाई हो।

अजरबेजान व आर्मेनिया छवें दिन ही रूस के प्रयासों से युद्ध- विराम के लिए टेबल पर आ गए। परन्तु एक तीसरा युद्ध का भागीदार आतंकी वर्ग है। टर्की पाकिस्तान और सीरिया से भेजे गए आतंकावादी युद्ध विराम को नहीं मानने वाले। टर्की ने खुले रूप से आतंकियों को दिहाड़ी पर अजरबेजान की ओर से लड़ने को भेजा है।

इसके चलते विश्व युद्ध की आशंका हो गई है। दो देशों का युद्ध जब विश्वयुद्ध का आकार लेने लगे, तब विश्व दो खेमों में बंटने लगता है। अभी वही हो रहा है। फ्रांस, रूस, अमेरिका, जापान, ईरान और भारत जैसे देश आर्मेनिया के साथ खड़े हो गए हैं और टर्की, सीरिया, पाकिस्तान, मलेशिया जैसे देश अजरबेजान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। तनाव के चलते दीपावली का त्यौहार आ ही गया। लोगों को आशंका है कि कहीं तीसरे विश्वयुद्ध का प्रारंभ न हो जाए। ऐसा संभवतः नहीं होगा। लेकिन आगे कभी होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता। आखिर यह अनिश्चितता क्यों ?

यह इसलिए कि पूरे विश्व में उपलब्ध तेल के भंडारण का बड़ा प्रतिशत एशिया के दक्षिण- पश्चिम में स्थित खाड़ी वाले क्षेत्र में ही है। दूसरा कई देशों ने यहां भारी- भरकम निवेश कर रखा है। खाड़ी क्षेत्र में किए गए निवेश से उन निवेशकर्ता देशों के वर्तमान के साथ भविष्य की कई योजनाएं प्रभावित होती हैं।

यही वह नब्ज है, जिसे टर्की दबाना चाह रहा है। टर्की आदि अपने पेट को भरने के लिए इससे सुगम अन्य कोई रास्ता नहीं देख रहे। इसलिए इस युद्ध के माध्यम से निवेशकों के कंठ दबाना चाहते हैं।

टर्की और पाकिस्तान अच्छे से जानते हैं कि जब तक नींबू और संतरे का कंठ नहीं दबाया जाता, इनसे रस नहीं टपकता। खैर, आप एकता व सौहार्द्र के साथ दीपावली मनाइए, जो भी होगा शुभ ही होगा।

त्रिलोकी मोहन पुरोहित
शिक्षाविद्, राजसमंद
मो.94141-74179

M. 9314411080
विनायक कार्ड्स
गली विनायक कार्ड्स, जलचक्की रोड़, कांकरोली (राज.)
-* मल्टीकलर प्रिन्टिंग स्पेशलिस्ट *-
मार्बल स्टेशनरी * फ्लेक्स * शादी कार्ड्स
* पॉली * टी-शर्ट * विजिटिंग कार्ड * पेम्पलेट
* स्टीकर * पेकिंग पाऊच (फ्लेक्सो-ड्रम)

Art of Giving Brings Happiness

The true art in giving is to give without having any expectation in return. Giving is enjoyed twice, once by the giver who experiences the pleasure of giving and second by the receiver.

A very special form of giving takes the form of small personal acts of kindness. Very often it is not money or belongings that people need, it's the things that can't be seen, kind words, compliments, helping hands, listening to others, even a bit of support during a difficult emotional time and of course a smile.

The act of giving doesn't have to be limited to an exchange of presents on festivals, birthdays or other such occasions. Treating people with good gesture, happy face and kind words too is giving. You always have something to give to everyone. The wonderful and amazing act of giving is not limited to materialistic articles. Fortunately, generosity and kindness are not bound to these material limitations.

One of nature's most basic laws is "every single act of love, kindness and generosity will multiply and return to you many times over ". The more you give the happier you will feel.

Thousands of years ago a great sage in Babylon said "The reward of charity depends entirely upon the extent of the kindness in it."

It is one of life's wonderful paradoxes that you limit the power of your giving by having an expectation of getting something in return. When you give without any thought or desire for something back, your returns will be truly limitless.

Your life is like a river of energy, continually flowing. But when a river stops moving It gets very muddy, and stagnant. A fast-flowing river is full of life and clear water. Where would you rather drink? The acts of giving and receiving are a continuous process of circulation that continues the flow of your life's energies.

Take a big, deep breath. Hold it for as long as you can. As you hold it inside, notice how uncomfortable you begin to feel when you are holding on to something that is meant to be released. Now, breath out, completely and hold your breath with your lungs fully emptied. Feel how uncomfortable you feel when you are resisting taking in something that you need.

True giving, without expectation of anything in return is as effortless as breathing.

The intention behind your giving is the most important thing. The intention should always be to create happiness for both the giver and the receiver while the expectation always worries to get something in return.

If you experience resentment and a feeling of "I don't really want to give this to this person, but I feel that I have to" or "I really should give them something," this is probably what ultimately will come back to you. Perhaps in this case, you need to consider not giving the gift at all!

What you give out is what comes back in direct proportions to the feelings you have in the act of giving.

It's very simple. If you want to experience more joy, give joy to others, if you want more love, learn to give love, if you want attention and appreciation, learn to give appreciation to others. These are some of life's most precious gifts and they don't cost you anything.

When you meet someone, you can silently send them a blessing, wishing them happiness, joy and laughter. This kind of silent giving is very powerful. Do this, and you will suddenly find people around you opening to you in joy and happiness.

Make a decision that wherever you go, to whoever you meet, you will give. The more you give, the more will flow back to you and be returned many times over. Giving creates a pattern of happiness, joy and love in your life beyond your wildest expectations.

Be the helping hand to the needy people around you, make their festive time happy and be the part of our campaign "Spread Love-Spread Happiness".

"Kindness in words creates confidence. Kindness in thinking creates profoundness. Kindness in Giving Creates Love."

May your life be filled with love, light, happiness and inspiration.

Wish you all a very happy Diwali.
Stay happy & healthy with family.

Manisha Lashkari
Principal
Smart Study International School, Nathdwara

दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

शक्ति जनरल स्टोर

पाठ्य पुस्तकें, शक्ति कॉपियां, स्कूल व ऑफिस स्टेशनरी, होजरी, कॉस्मेटिक्स एवं जनरल सामग्री हेतु आपकी सेवार्थ समर्पित।

शक्ति उद्योग
शक्ति कॉपियां एवं स्टेशनरी के निर्माता
रेल्वे स्टेशन रोड, कांकरोली राज.
मो. 9413021510

शक्ति एजेन्सीज
पुस्तकों एवं स्टेशनरी के होलसेल विक्रेता
शास्त्री मार्केट, कांकरोली
फोन नं. 02952-222810

अंकुर डेंटल क्लिनिक
रेल्वे स्टेशन रोड, कांकरोली राज.
मो. 9413975510

राजसमंद का उत्कृष्ट उत्पादन - हर विद्यार्थी की पहली पसन्द : शक्ति कॉपियां

तीखी मिर्ची

विजय शर्मा
94142-39648

नेताओं की दीवाली, जनता का दीवाला

इस बार दीवाली को लेकर आमजन बड़े सहमे हुए हैं। कोरोना के आतंक में नौकरी खो चुके मजदूर, कुछ ऑफिसों में आधी तनख्वाह पर काम कर रहे कामगार और ग्राहकों के इन्तजार में दुकान सजाकर मायूस बैठे दुकानदार इस दीवाली के त्योहार पर इस तरह डरे हुए है, जैसे पड़ोस के घर कोरोना पॉजीटिव आ गया हो और अब यह वायरस कभी भी हमारे घर का दरवाजा खटखटा सकता हो।

हर साल दीवाली पर घर का रंग रोगन, सभी के लिए नए कपड़े, कभी नई गाड़ी, घर में नए बर्तन की खरीद और अलग अलग मिठाइयों के स्वाद के साथ उत्साह से मनाई जाती है, मगर इस साल दीवाली से पहले ही कोरोना ने सभी के दीवाली बजट का दीवाला कर दिया है। किसी की नौकरी छूट गई, तो किसी की पगार पुरी नहीं मिल रही है, लेकिन जनता के दीवाले के बीच भी नेताओं की चुनावी दीवाली बड़ी धूम धाम से मनाई जा रही है।

एक तरफ सिर पर हाथ रखकर बैठा मजदूर रूई और तेल के पैसे को तरस रहा है, तो वहीं नेताओं के घर न जाने कैसे पैसा बरस रहा है। इस कोरोना के चलते स्कूलें बंद है, तो सभी बच्चे एक साल के लिए पिछड़ गए हैं। हर जगह लोगों की आवाजाही रोकने के लिए ज्यादातर ट्रेनें अभी बन्द हैं, मुम्बई की लाइफ लाईन लोकल ट्रेन अभी भी नियमित चालू नहीं की गई है, तो आम आदमी रोजी रोटी के लिए नहीं जा पा रहा है। मगर इस दौर में भी चुनाव हो रहे हैं, इस तरह देखा जाए तो अब रोटी, कपड़ा, मकान से बड़ी आवश्यकता चुनाव हो गया है। कोरोना की चिंता में मास्क पहनने की सलाह के नाम पर करोड़ों का विज्ञापन बजट स्वाहा करने वाले नेता अब बिना मास्क लगाए गांव की चौपाल पर जनता को रिझाने में लगे हैं। तब कहते थे आपस में दूरी बनाकर रखे और अब अपने पास में बुला रहे हैं, तो लोग इस असमंजस में है कि नेताओं की कौनसी बात मानी जाए। वैसे नेता अपनी बात से कभी भी पलट जाते हैं। कभी कभी तो स्वार्थ सिद्धि नहीं होने पर पार्टी भी पलट देते हैं। कोरोना में अनावश्यक घर से बाहर न निकलने की सीख देने वाले नेता की बात मानकर अब वोट देने भी जाए या नहीं। यह कोरोना भी नेताओं की तरह बड़ा पक्षपाती हो गया है। नेताओं को चुनाव में इधर उधर घूमकर चुनावी सभा करने पर डराता नहीं है, मगर आम आदमी जब नौकरी के लिए ट्रेन में बैठे, तो कोरोना डराने लगता है। जहां एक तरफ राजनीति के आसमान पर जनता के सामने अपने वादों के सुनहरे दीप जलाकर नेता अपने घर को रोशन करने को आमादा है वहीं दूसरी तरफ कोरोना की चपेट में आई दीवाली पर आम आदमी अपनी फटी जेब को देखकर अपने घर की जरूरतों में चुनाव कर रहा है और फिलहाल अपनी दुखद अमावस्या के अंधकार में सुखद उम्मीद का एक दीपक जलाकर सभी को शुभकामनाएं बांट रहा है।

दीपावली के पर्व की हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं
Himanshu Singh Chandrawat
M. 94141 74657
02952-220135 Off.

NEELKANTH
TRAVELS
Contact For 3X2 & 2X2
A.C. & Non A.C. Luxury Buses
Bus Stand, Kankroli-313324 (Raj.) e-mail : heman9999@rediffmail.com

vedanta
transforming elements
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
इस दीपावली पर अपने आस पास जगमगाए
'सहयोग' का दीपक।
मिलकर मनाए सुरक्षित, समृद्ध और खुशहाल दीपावली।
त्यौहार पर तोहफा देने की परंपरा पुरानी है,
पर इस बार कुछ नए तरह से निभाते हैं।
अपनों के लिए अपने आस पास से उपहार खरीदते हैं
और 'सहयोग' का ये शुभ तोहफा मिलकर बांटते हैं
शुभ
दीपावली
Hindustan Zinc Limited
Yashad Bhawan | Near Swaroop Sagar | Udaipur - 313004 | Rajasthan | India
P : +91 294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN - L27204RJ1906PLC001208
www.facebook.com/HindustanZinc | www.twitter.com/CEO_HZL
www.twitter.com/Hindustan_Zinc | www.linkedin.com/companyhindustanzinc

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

कोरोना वायरस के लक्षण :- बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ
सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनायें पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।

आपका वोट सहयोग देगा एक सुदृढ़ भारत निर्माण में, अपना फर्ज निभाएं मतदान करने जरूर जाएं।

चन्द्रभानसिंह चुण्डावत
सरपंच

शंभूसिंह रावत-उप सरपंच,
वार्डपंच :- छगनीदेवी, भीमाराम भील, जसवन्तलाल खटीक, कंवरीदेवी, भोलीदेवी, सवाईराम गुर्जर, जग्गूसिंह, जमनादेवी, कमला कुंवर, लालीदेवी

ग्राम पंचायत जीरण, पंचायत समिति देवगढ़

GM फायनेन्स & प्रोपर्टी

होम लोन, मोरगेज लोन, कार लोन, पर्सनल लोन, जीवन बीमा, मकान प्लॉट, कृषि भूमि, क्रय-विक्रय हेतु सम्पर्क करें।

दिलीप जैन
मो. 9214384205, 9602997715

जे.के. मोड, होलीथड़ा, कांकरोली, जिला-राजसमंद

दीपोत्सव की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

द मेवाड़ क्लब

कैलाश चौधरी	रघुराजसिंह सिसोदिया	अजय कर्णावट	सतीश तापड़िया
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष

जेके स्टेडियम के पास, आरके जिला चिकित्सालय के पीछे राजसमंद, फोन : 02952-224549

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

कोरोना वायरस के लक्षण :- बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ
सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनायें पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।

अपील : आपका वोट सहयोग देगा एक सुदृढ़ भारत निर्माण में, अपना फर्ज निभाएं मतदान करने जरूर जाएं।

नोकलाल कुमावत
सरपंच

उपसरपंच, समस्त वार्डपंच एवं ग्रामवासी

ग्राम पंचायत भाणा, पंचायत समिति राजसमंद

श्रीमती पारस कुंवर-सरपंच
W/O स्व. अभयसिंह राठौड़
पूर्व प्रधान

दीपोत्सव की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ओमप्रकाश वैष्णव-उपसरपंच, वार्डपंच : - भैरूलाल जोगी, हेमलता, कुलदीपसिंह झाला, मंजू भण्डारी, देवीलाल बैरवा कृष्णा सालवी, शैतानसिंह बंजारा, किरण मिलकरा, उमेश वैष्णव, शिविका वैरागी, मोहनीदेवी खटीक, कान्ता भील, जगदीश मीणा, उशा रानी एन्थोनी, राजेश कुमार माली, लादुलाल गाडरी

अपील **कोरोना वायरस के लक्षण :-** बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ
सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनायें पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।

नरहरिदेवसिंह राठौड़
समाज सेवी

◆ जन्म मृत्यु व विवाह का पंजीयन अवश्य करवाएं। ◆ श्रमिक कार्ड, भामाशाह एवं आधार कार्ड बनवाएं। ◆ बिजली व पानी बचाएं व ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। ◆ कैशलेस कार्य प्रणाली को अपनाएं ◆ ग्राम सभा में भाग लेवे, शिक्षा को बढ़ावा देवें। ◆ कूड़ा-करकट कचरा पात्र में ही डालें, गांव को साफ रखे। ◆पूरे गांव को जल विषय पर आत्मनिर्भर बनाना। ◆ जल की बचत अधिक उपज

ग्राम पंचायत महेन्दुरिया, पंचायत समिति रेलमगरा

श्रीमती पनकी बाई
सरपंच

दीपोत्सव की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

बब्बरसिंह-उपसरपंच
वार्डपंच :- सुमेरलाल पालीवाल, फतेहपुरी, मन्नाराम गमेती, रतनी बाई गमेती, तुलसी बाई दसाण, पन्नाराम गमेती, मीराबाई दसाना, सोहनी बाई दशाना, मंजू बाई दसाणा, रमेश सिंह दसाणा

कोरोना वायरस के लक्षण :- बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ
सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनायें पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।

केसरसिंह दसाणा
समाज सेवी

अपील :- पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें, खुशहाली लाएं, पेड़ लगाएं, पर्यावरण बचाएं, जन्म-मृत्यु-विवाह का पंजीयन कराएं।

ग्राम पंचायत थुरावड़, पंचायत समिति कुंभलगढ़

दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं

जे.के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
जे.के. ग्राम कांकरोली (राज.)

सादर अनुरोध

पाठकगणों से अनुरोध है कि ज्यादातर पाठकों के **जयवर्द्धन पत्रिका** की वार्षिक सदस्यता पूरी हो चुकी है। इसीलिए वार्षिक सदस्यता के लिए **जल्द 200 रुपए या तीन वर्ष की सदस्यता के लिए 500 रुपए जमा करवा कर** शक्ति स्पोर्ट्स शास्त्री मार्केट कांकरोली अथवा हमारे प्रतिनिधि से रसीद प्राप्त कर सदस्यता नवीनीकरण करवाएं।

संपर्क : 94142-39648

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

कोरोना वायरस के लक्षण :- बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ
सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनाये पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।
अपील : आपका वोट सहयोग देगा एक सुदृढ़ भारत निर्माण में, अपना फर्ज निभाएं मतदान करने जरूर जाएं।
दिनेश कुमार वैष्णव
सरपंच
उपसरपंच, समस्त वार्डपंच एवं ग्रामवासी
ग्राम पंचायत ओलना खेड़ा, पंचायत समिति आमेट

दीपोत्सव की समस्त जिलेवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

श्री रवि शर्मा
अध्यक्ष-9414174601
श्री मनीष देवपुरा
सचिव-9414171766
श्री रजनीश वागरेचा
कोषाध्यक्ष-9414174267
श्री अमित बोल्या
उपाध्यक्ष - नाथद्वारा रोड
श्री ओमप्रकाश मंत्री
उपाध्यक्ष - पसून्द रोड
श्री ललित बोहरा
उपाध्यक्ष- आमेट रोड

समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण
मार्बल गैंगसा एसोसिएशन, राजसमंद

समसामयिक प्रश्नोत्तरी

परितोष पालीवाल
82338 82818

1. किस देश की प्रधानमंत्री जैककडा अडवनव (Jacinda Ardern) देश में हुए आम चुनाव में ऐतहासिक जीत दर्ज करने के बाद लगातार दूसरी बार तीन साल के कार्यकाल के लिए पीएम चुनी गई है?
2. मुंबई की 23 वर्षीय किस युवती को 2020 वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, वे यह पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार का 56 वां वर्ष है।
3. थल सेनाध्यक्ष जनरल एम.एम. नरवाणे ने किस स्थान पर देश में निर्मित चार एंटी सबमरीन वार फेयर (ASW)स्टील्थ कोरवेट में से अंतिम "INS Kavaratti" को भारतीय नौ सेना में शामिल किया है ?
4. निशानेबाजी में विश्व की नंबर एक खिलाडी भारत की इलावेनिल वलारिवन (Elavenil Valarivan) ने हाल ही में शेख रसेल इंटरनेशनल एयर राइफल चैमम्पीयनशिप की महिलाओं की स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। प्रतियोगिता किसके द्वारा आयोजित की गई थी ?
5. सैयदा अनवारा तैमूर का ऑस्ट्रेलिया में निधन हो गया, वे किस राज्य की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री रही है ?
6. दस हजार फीट ऊंचाई पर दुनिया के सबसे लंबे हाइवे सुरंग अटल टनल का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, इसकी लंबाई कितनी है?
7. स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा शुरू किया गया एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम क्या है ?
8. भारत के अगले मुख्य सूचना आयुक्त कौन होने जा रहे हैं ?
9. सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर उन्हीं के नाम पर प्राणी उद्यान का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किस स्थान पर किया गया है ?
10. हाल ही में जिस देश ने डॉ. हरिवंश राय बच्चन के नाम पर एक चौराहे का नाम रखा है ?
11. वह राज्य जो प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना को लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है?
12. भारत के जिस राज्य ने स्मार्ट ब्लैक बोर्ड योजना लागू करने का निर्णय लिया है?
13. हाल ही में किस देश ने गिलगिट बाल्टिस्तान को प्रांतीय दर्जा देने के पाकिस्तान के फैसले को खारिज कर दिया है?
14. राजस्थान और किस देश की राज्य सरकार ने हाल ही में कोरोना वायरस का हवाला देते हुए दीवाली पर होने वाली पटाखों की बिक्री और आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाया है ?
15. कोविड- 19 वायरस के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए "IITM COVID" विकसित किया है। यह गेम मुख्य रूप से बच्चों पर केंद्रित है।

उत्तरमाला

(1) न्यूजीलैंड (2) ऐश्वर्या श्रीधर (3) विशाखापत्तनम में
(4) भारतीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन BSSF द्वारा
(5) असम (6) 9.02 किलोमीटर
(7) निष्ठा (8) यशवर्धन कुमार सिन्हा
(9) केवड़िया, गुजरात (10) पोलैंड
(11) उत्तरप्रदेश (12) राजस्थान (13) भारत
(14) ओडिशा (15) आई.आई.टी. मद्रास

दीपावली की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रॉयल मार्बल एंड ग्रेनाईट

Supplier of All Kinds Marble Slabs,
Green, Granite & Tiles Et.
प्रो.- एस.एन. कुंवर
Mob. 9214035786, 7725999777
Kankroli Distt. Rajsamand (Raj.)

नि :स्वार्थ सेवाभावी थे लल्लू दा और पेमा बा

प्रभु श्री द्वारकाधीश की पावन नगरी को आज से लगभग 60-70 वर्ष पूर्व जिन्होंने भी देखा वे आज भी मेरे उस वक्त के गांव के प्राकृतिक सौन्दर्य को भुला नहीं होगा। पूरे कटोरे में भरे जल की तरह लबालब भरा राजसमंद उसमें उतरते और उड़ते जहाज चारों ओर हरियाली, दयालशाह के किले की पहाड़ी से लेकर बगरू तक घना जंगल और उसमें चहल कदमी करते विभिन्न जीव-जन्तु, कमलबुर्ज की छतरी के जंगलों में हिरन की उछलकूद, सुरजपोल से लेकर चांदपोल तक परकोटे में समाया मेरा छोटा सा गांव प्रभु की छत्र छाया में कितना सुरक्षित और खुशहाल था, जब यहां चिकित्सा के नाम पर घरेलु नुस्खे ही लोगों का जीवन बचाया करते थे। एकमात्र छोटा सा चिकित्सालय कांकरोली-राजनगर के बीच में दो कमरों में एक डाक्टर और एक कम्पाउंडर के सहारे चला करता था, जिसमें आजकल डॉक्टरों का निवास है। मोच आने या हड्डी के टूट जाने पर अस्पताल नहीं, अपितु बिना डिग्री के डॉक्टर श्री लल्लुलालजी सनाढ्य और श्री पेमारामजी कुमावत ही पूरे गांव की सेवा किया करते थे। बिना किसी फीस व बिना किसी स्वार्थ और बिना किसी भेदभाव के। मोच आने या हड्डी के टूट जाने पर घरेलु उपचार किया करते थे। आज हम ऐसे ही दो सेवाभावी महापुरूषों के बारे में बताने जा रहे हैं।

श्री लल्लूलालजी सनाढ्य :

धोरा मोहल्ला कांकरोली स्थित स्व. श्री जगन्नाथ जी सनाढ्य के घर पर माता श्री गोमती बाई की कोख से दिनांक 16 अगस्त 1924 को लल्लुलालजी का जन्म हुआ। अभी जीवन के 10 वर्ष ही गुजारे थे कि उनके माता पिता का देहान्त हो गया। ऐसे कठिन समय में हिम्मत और मेहनत के सहारे उन्होंने अपने जीवन को आगे बढ़ाया। वे बचपन से ही हॉकी खेल खेला करते थे, समय के साथ साथ उनकी गिनती अच्छे खिलाड़ियों में होने लगी, कांकरोली तो हॉकी के नाम से शुरू से ही जाना पहचाना नाम था। उस समय यहां हन्ना साहब अंग्रेज ऑफीसर हुआ करते थे, जब उन्होंने लल्लूलालजी के हॉकी खेल को देखा, तो वे उनसे बड़े प्रभावित हुए और जब वे 17 वर्ष की उम्र में ही थे तो लल्लूलाल जी को पोस्ट ऑफिस में पोस्टमैन की नौकरी दे दी। इस दौरान वे डूंगरपुर, नाथद्वारा, चारभुजा, केलवाड़ा, और कांकरोली में पोस्टमैन के पद पर कार्य करते रहे। ईमानदारी और कड़ी मेहनत से काम करते रहे और तरक्की पा इंस्पेक्टर के पद पर कार्य कांकरोली में करते रहे। वे सदैव साइकिल पर ही सफर करते थे, समयानुसार श्यामा बाई से उनका विवाह सम्पन्न हुआ।

खेल के साथ साथ वे अखाड़े के दाव-पेच में भी माहिर थे, मलखम विद्या में तो उन्हें महारत हासिल थी। मलखम पर नाभी के सहारे चारों हाथ-पैर छोड़ चक्कर लगाने में उन्हें विशेष महारत हासिल थी। किसी भी प्रकार की चोट, मोच और फैक्चर का वे देसी जड़ी-बुंटियों से नि:शुल्क ईलाज किया करते थे। वे मानव मात्र के लिए उपचार हेतु सदैव तैयार रहते थे। यदि कोई बुजुर्ग आने जाने में असमर्थ होता, तो वे खुद अपनी साइकिल से उसके घर जाकर उसका ईलाज करते थे। जब तक जीये तब तक इसी तरह बिना किसी स्वार्थ के लोगों की सेवा करते रहे। उस समय डॉक्टर राठौड़ यहां डॉक्टर के पद पर कार्य करत थे।

एक दिन अचानक उनके पांव में भी मोच आ गई। वे समझे फैक्चर हो गया, उस समय यहां गांव में कोई एक्सरे मशीन या प्लस्तर की व्यवस्था तो थी नहीं। अत: जब लल्लू दा जी को बुलाया गया, तो उन्होंने डॉक्टर से उनके पांव की उंगलिया हिलाने को कहा और जब डॉक्टर साहब ने उंगलियां हिलाई तो लल्लुलालजी ने कहा श्रीमान् जी आपकी हड्डी को कुछ नहीं हुआ, बस मोच है, अभी ठीक किए देता हूं और उन्होंने अपने कंधे से अंगोछा और हाथ में डंडा ले उनका ईलाज कर दिया। दो तीन दिन में ही डॉक्टर साहब ठीक हो गए। वे कभी अपने ईलाज का पैसा नहीं लेते थे। बस सेवा ही उनका ध्येय था। उनके चार पुत्र श्री मदन मोहन, देवकीनन्दन, नरेन्द्र कुमार और घनश्याम हैं, जो आज उनके पुण्य प्रताप और उनके सेवाभाव के कारण ही सफल जीवन जी रहे हैं। दिनांक 26 दिसम्बर 1993 को उनका स्वर्गवास हो गया। मेरे गांव के ऐसे सेवाभावी को सादर श्रद्धांजलि।

श्री पेमारामजी कुमावत :

कांकरोली में कुमावत मोहल्ले में श्री गणेशजी कुमावत के घर सन् 1915 में माता श्री ऐजीबाई की कोख में एक ऐसे सेवाभावी बच्चे ने जन्म लिया, जिसका नाम श्री पेमाराम कुमावत रखा गया। समयानुसार प्रताबी बाई नाम बालिका से आपका विवाह हुआ और आपके तीन बेटे श्री भंवरलाल जी भोपाजी, श्री भैरूलालजी व कालुलालजी पैदा हुए, पर आज उनके बेटे न ही पौते पड़पौते ही उनकी दांस्ता बयां करने को मौजूद हैं। मेरे गांव कांकरोली में लंबे समय तक मोच, कमर दर्द, पीलिया, निकाला आदि अनेक रोगों के रामबाण ईलाज के लिए वे जाने जाते थे। स्व. श्री पेमारामजी कुमावत पूरे गांव में पेमा बा के नाम से जाने जाते थे। अनेकानेक दु:खी दर्दी उनके घर पर बिना किसी रोक टोक व बिना किसी भेदभाव और बिना किसी शुल्क के ईलाज कराते थे और आराम पाते थे, उनके पड़ौसी एक बुजुर्ग ने जो वाक्या सुनाया, उसे सुनकर सचमुच उन सेवाभावी पुरूष को नमन् करने का मन होता है। एक बार एक बहुत बड़े व्यवसायी को चोट आ गई और कमर दर्द को लेकर वो उदयपुर ईलाज हेतु गए। लगभग एक माह उदयपुर में ईलाज कराने पर भी जब वह ठीक नहीं हुए, तो पेमा बा के पास आए, पेमा बा ने उनका ईलाज प्रारम्भ किया और 15 दिन के अंदर ही उस व्यवसायी की कमर बिलकुल ठीक हो गई, उसने प्रसन्न हो पेमा बा को 500 रुपए देने का निश्चय किया और एक लिफाफे में रूपये रख उन्हें देने लगा, पेमा बा ने पुछा इसमें क्या है? व्यवसायी बोला एक छोटी सी भेंट स्वीकार करें। पेमा बा ने फुर्ती से लिफाफा फेंका और बोले ये क्या अनर्थ कर रहे हो। मैंने आज तक अपने काम का एक पैसा तक किसी से नहीं लिया और कभी काम के नाम पर चाय या बीड़ी तक नहीं पी और जिस रोज मैं ऐसा अनर्थ कर लूंगा मेरे हाथ में जो रोग ठीक करने की कला है, वो खत्म हो जाएगी। ऐसे सेवाभावी थे पेमा बा, मारवाड़ से भी एक महिला ईलाज कराने आई और अपना ईलाज पूर्ण होने पर उसने भी भेंट पूजा देने की इच्छा जताई तो पेमा बा ने मना करके अपना हाथ उस और बढ़ा दिया और कहा कि मुझ राखी बांध दो यही भेंट बहुत होगी और सचमुच उस महिला ने मरते दम तक उस व्यवहार को निभाया वह प्रतिवर्ष आती और राखी बांध साड़ी वेस पहन कर चली जाती। ऐसे सेवाभावी और परोपकारी श्री पेमारामजी सन् 1980 में ईश्वर को प्यारे हो गए और यादें रह गई उनके सेवाभाव की। उन्हें हृदय से श्रद्धांजलि।

प्रस्तोता :

अफजल खां अफजल
वरिष्ठ साहित्यकार,
जलचक्की, कांकरोली, राजसमंद
मो. 98284-75288

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

खुश है जमाना, रेत में डूबे बच्चे

सुनील जैन राही
व्यंग्यकार, नई दिल्ली
मो. 98109-60285

बच्चे बरसात में पानी सेए बाद में रेत से खेलते हैं। रेत का घर और दीवार बनाते हैं। दीवारों के गिरने से प्रसन्न होते हैं। मां- बाप खुश होते हैं। बरसात के जाते ही विकास शुरू हो जाता है। शहरों में विकास की आंधी आती है। आंधी गांवों की पगडंडी से गुजरती है। आंधी गांव के युवकों को शहर ले उड़ जाती है। गांव में रह जाते हैं बूढ़े/ लाचार। बिल्डिंग बनने लगती हैं, बिकने लगती हैं। सभी फलने- फूलने लगते हैं, नेता और पुलिस। गांव का युवक नहीं फलता- फूलता। पेट पिचका रहता है। पेट पिचकाने की कला में गांव माहिर हैं। गांव का आदमी कलाबाज होता है। भूखे रहने और दूसरों को याचना भरी नजरों से देखना आता है। फटे कपड़ों में तन का कौनसा हिस्सा ढंकना है। मरने के बाद श्मशान में लकड़ियों के लिए तरसना। इस कला के कारण, शहरों में मांग बढ़ रही है। शहर का विकास गांव की छाती पर होता है। पगडंडी शहर जाती है, लेकिन वापस नहीं आती। झुग्गी में बस जाती है।

बरसात गई। भवन निर्माण/ विकास शुरू। भाषणें का विकास तेजी से होने लगा। बिहार में चुनाव आभासी नहीं रहे, साक्षात दर्शन देने पर जबरजस्ती उतारू हैं। बरसात के बाद चुनाव का आना गांव में सूखी हरियाली का आभास देता है। हरियाली में सुख दिखाया जाता है। गोदाम में अनाज सड़ता है, सरकार बेबसी दिखाती है। इतना अनाज क्यों पैदा किया? जो गोदामों में न आ सके। गरीबों में बांट नहीं सकते। गरीबों को मुफ्तखोर नहीं बनाया जा सकता। मुफ्तखोरी के लिए तमीज चाहिए। तमीज मिलता है, सरकारी आदमी में, सरकारी नेता में, सरकारी योजनाओं में। गोदामों का अनाज विकास का प्रतीक नहीं है। आंकड़ों का प्रतीक है। चुनाव में आंकड़े ही आंकड़े दिखाई देते हैं। विकास आंकड़ों में और आंकड़े फाइलों में। फाइलों में घुन। घुन विकास को खाकर नए विकास की प्रेरणा देते हैं। घुन बरसात में लगते हैं। बिहार में बाढ़ के बाद चुनाव, चुनाव में विकास नहीं। चुनाव में कार्यकर्ताओं का विकास/ उत्थान होता है। घोषणा पत्रों में विकास तेजी से होता है। तीव्र गति से, रातों- रात बूढ़ी गंडक नदी जवान हो जाती है।

खैर विकास के लिए सीमेन्ट और रेत जरूरी है। रेत नदी से मिलती है। बिना रेत महल नहीं बनते। कंक्रीट जंगल नहीं बनता। शहर से शहर जोड़ने वाला पुल रेत से बनता हैं। रेत के भवन, पुल गिरते हैं। गिरना नेताजी के उठने के समान है। पुल हो या भवन जब गिरते हैं, मजदूर जरूर मरते हैं। नेताओं के गिरने से पार्टी उठ खड़ी होती है। मजदूर मरने से विकास की आंधी आती है। रेत की दीवार गिरते ही मजदूर अनारकली की तरह समा जाता है। रेत की दीवार के लिए रेत भी मजदूर लाता है। गूंथता है, महल बनाता है, महल गिरने से केवल मजदूर मरता है। ठेकेदार नहीं मरता। जो काम करेगा वही तो मरेगा।

देश का निर्माण करना है। रेत जरूरी है। रेत नदी के किनारे से। नदी में जहां पानी कम हो। डूबने का खतरा न हो। नदी से रेत निकालना गुनाह है। गुनाह हर ठेकेदार करवाता है। गुनाहों पर महल खड़े हैं। गुनाह से पिचके पेट पल रहे हैं। फटे पड़ने वाले पेट भर रहे हैं। नदी की रेत की कमाई से रात रंगीन और सुबह सुहानी।

झम्मन ने अल सुबह अंधेरे में नदी से रेत निकाली। ट्रेक्टर चला। रोज की तरह मां बच्चों के साथ नदी पर कपड़े धोने बैठी। नदी भी वही थी। पानी भी वही था, लेकिन पानी में रेत नहीं थी। न मां जानती थी, ना बच्चे। कौन रेत रात में चुरा ले गया? कोई ऐसा नहीं आता जो गरीबी चुराकर ले जाए, भूख को नदी में डूबो जाए। बाढ़ में भूख कभी नहीं बही। नंगई नहीं डूबी। बच्चे डूब रहे थे, मां भी बचाने में डूब गई। नदी में रेत नहीं थी। रेत से खेलते बच्चे और उनकी मां पानी पर उतरा रही थी। बच्चे जीवन से दूर, रेत के घर से दूर, हंस नहीं पा रहे थे। रेत के जाने के बाद। न पुल ढहाए न भवन गिराए, ना ही नेता गिरा। बच्चे बड़े होकर भी रेत की दीवार में दबने थे। शाम को बाप बैठा था। ठेकेदार का आदमी पचास की गड्डी में संवेदनाएं पटक गया। जमाना खुश था, उत्खनन में बच्चों के मिलने से।

राजस्थानी केणावतां

लछमी परदे वसै

अर्थात् – लक्ष्मी सुरक्षा में, लज्जा के परदे में रहती है।

घर लछमी नै छोड़ मूरखा, पर लछमी पूजे

अर्थात् – हम संसार के आदमी कितने मुर्ख है कि हमारे घरों में कन्याएं, बहनें, माताएं आदि लक्ष्मी रूपी शक्तियां है, परन्तु हम दिवाली पर पराई नारी (विष्णु प्रिया) लक्ष्मी की पूजा अर्चना करते हैं।

घर री खांड करकरी लागै, ओरां रौ गुड़ मीठो

अर्थात् – घर की वस्तु से हम संसारियों को दूसरों की वस्तुएं सुन्दर दिखाई देती है और हम उन्हें चाहते हैं।

हीया माहि होली अर घरां दिवाली होय।

अर्थात् – आज (वर्तमान में) गरीबों को महंगाई और बेकारी के कारण परेशानियां उठानी पड़ रही है। पैसे वाले घरों में घी के दीपक जलाकर दिवाली मना रहे हैं।

लिप्या- पोत्या आंगणा, ओढ़ी पेहरी नार।

अर्थात् – त्यौहारो पर घर की सफाई करने पर घर अच्छे लगते हैं और सजी संवरी औरते सुंदर लगती है।

घर री लछमी

'घर लच्छमी छोड़ अनोखा, पर लछमी पूजे'

ओ संसार मनै अजब सौ लागे। ई संसार री रचना योगमाया 'नारी'रूपा शक्ति सूं वीयोड़ी है। नारी रचना री धुरी है, जगत री जननी है अर इनैई आपां माया कहवा हां। ई कारण मिनख सदियां सूं शक्ति, लछमी अर सरस्वती तीन देवियां नै पूजता आया है।

ईंरां संसार में कई रूप वताया गीया है- मां, बैन, घरवाली आदि। भारत रै मायं सात मातृकाओं रा नाम आया करें। ग्रन्था मांयने पेली मायड़ जनम देन वाळी, फेरू पृथ्वी, सासू, गुरू पत्नी, गाय, गंगा अर सातवीं भारत माता है। लोग नौ रात्री रे मांय नव दुरगा री पूजा करें- शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी, कुष्माण्डा, चन्द्र घंटा, गौरी, कात्यायनी, कालरात्रि, सिद्धिदात्री, स्कन्दमाता। नौ कन्या जीमांवा रो नवरात्री मांय चलण है। कुंआरी कन्या रो अंगुठो विवाह रै समै बाप रै हाथां पूज्यो जावै। नुवी वींदणी जद पेलां घर री बाजोट पै आवे तो वींरी आरती उतारेन कंकू रां पगल्या ढेळी माथे मंडवायर देख्या जावै कै वा भरिया पग री है या नी है। ईं रीवाजां मुजब तो ओ मान्यो जावे के लुगाया आपणां घर री लछम्या है।

पण ईं मिनख कुण हमझावे के दिवाळी रे दन थां धन चाह्या रै वास्ते लछमी पूजन करो अर घर री अछमियां नै वणारी चायोड़ी चीजां सूं राजी नी राख सकों, तो यो कस्यो लक्ष्मी पूजन वीयो।

आजकाल आपणे देस में छोरियां नै मारी रिया है। दहेज मांगी रीया है, बाळी रिया है अर वांरी काची ऊमर में रेप करीनै सताई रीया है। कई घर री लुगायां लछम्यां नी है। पराई लुगाई ने हाऊ जाणेन पुजीरिया हो अर घर लुगाया नै सतावो, ओ तो गौर अन्याय है। जद लोग बाग हांची कैवे के- 'घर री खांड करकरी लागै, ओरां रो गुड़ मीठो'।

कवि लिखियोड़ो है-

घर लछमी नै छोड़ अनोखा पर नारी पूजे।

फतहलाल गुर्जर 'अनोखा'
वरिष्ठ साहित्यकार
जाट गली, कांकरोली
मो. 99286-25757

जयवर्द्धन
की वार्षिक बुकिंग मात्र 200 रुपए में
सम्पर्क : 94142-39648

सिंगल मेन आर्मी
श्री पद्मावती माजी महाराज

राजसमंद नगर के ऐसे गुमनाम, जो जन जन के आदर्श होने के बावजूद सुर्खियों में नहीं आ सकें, उन चेहरों पर प्रकाश डालने का प्रयास किया जा रहा है।

इस शहर के अतीत के बहुआयामी इन चेहरों ने यह स्थापित करने में कोई कसर नहीं रखी कि सामाजिक संरचना के लिए किसी बड़ी तथाकथित डिग्री या अनुभव की जरूरत नहीं होती। होता है, एक जुनून, जज्बा और करिश्माई जलवा जो उम्र, पद और परिस्थितियों की परवाह नहीं करता। मैं लंबे समय से कांकरोली की एक जुनूनी महिला शख्सियत के बारे में जानने को उत्सुक था, जो इतिहास के बंद कक्षों और गवाक्षों से झांक कर हमें मानों आह्वान कर रही थी। इस दृष्टि यात्रा में डॉ. राकेश तैलंग मेरे सहयोगी बने। मेरी दृष्टि दो सौ वर्ष पूर्व कांकरोली जैसे मजरे में नगर विकास के आकार लेते मोहल्लों पर जाकर टिक गई। वह वि. सं.1892 से वि.सं.1939 के बीच का दौर था, जब उदयपुर रियासत महाराणा स्वरूपसिंह जी जैसे उदारमना और विकासशील सोच के शासक और कांकरोली ठिकाने की श्री द्वारकाधीश मंदिर की परंपरा की सशक्त महिला शक्ति श्री पद्मावती माजी महाराज के संयुक्त प्रयासों ने कांकरोली के नगर विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए।

पुष्टिमार्ग की तृतीय पीठ के अतीत से परिचित डॉ. राकेश तैलंग से जैसा जाना, मैं विस्मित भाव से वर्षों पूर्व की कांकरोली जैसे विशाल ठिकाने की प्रशासनिक व्यवस्था की मशाल हाथ में लिए माजी महाराज के कार्यों का ब्यौरा पाकर अभिभूत हो गया। इतिहास के पन्नों में परत दर परत उस शक्तिमान सांस्कृतिक, धार्मिक और प्रशासनिक कौशल से सम्पन्न महिला की कल्पना के रचना रूप बावजूद चुनौतियों के समक्ष आने लगते हैं।

मात्र बारह वर्ष की बाल्यावस्था में पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ कांकरोली की यह बहू पीठ के नवम् पीठाधीश पुरुषोत्तमजी महाराज की मृत्यु के बाद कांकरोली ठिकाने की व्यवस्थाओं को नेतृत्व देना चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन इस बालिका वधु ने द्वारकाधीश मंदिर और कांकरोली नगर प्रबंधन की वल्गा अपने हाथ संभाल ली। यही नहीं, भविष्य के लिए योग्य धर्म प्रशासक के रूप में श्री यशोदानंदन जी अथवा गिरिधरलाल जी को आचार्य के रूप में भी प्रतिष्ठित कराया।

कांकरोली के इतिहास के उत्खनन की दृष्टि बताती है कि माजी महाराज की सशक्त महिला के रूप में छवि आज के महिला जगत् के लिए मार्गदर्शी अथच प्रेरक थी। सर्वग्राही निराशा मनुष्य विशेष कर नारी की शक्ति को कैसे द्विगुणित कर देती है। यह माजी महाराज के जीवन में तब घटित हुआ, जब गोद लिए हुए गिरिधरलालजी का भी असामयिक निधन हो गया। मगर उन्होंने हार नहीं मानी और निर्णय कर एक और योग्य दत्तक पुत्र बालकृष्णलाल जी को उत्तराधिकारी बनाया। ये भी छोटे थे। इसलिए माजी महाराज का निर्देशन कांकरोली और मंदिर के प्रति सतत् बना रहा। इस प्रसंग में श्री द्वारकाधीश मंदिर का प्रबंधन और तात्कालीन राजा महाराजाओं व वैष्णवजन से आत्मीय व्यवहार, विभिन्न प्रान्तों का भ्रमण कर कांकरोली के विकास हेतु वित्त प्रबंधन, महाराणा सज्जनसिंहजी द्वारा कांकरोली ठिकाने को विशेषाधिकार सम्पन्न बनाना, नजरबाड़ी में शहर के लिए जल प्रबंधन, जल संसाधन विस्तार हेतु रहटों का निर्माण, सूरजपोल दरवाजे का निर्माण, महामारीकाल में कांकरोली में स्वास्थ्य प्रबंधन और मंदिर सेवा व्यवस्था का आर्थिक प्रबंधन चुनौतीपूर्ण कार्य रहे। हम उन्हें उस युग में कांकरोली की 'सिंगल मेन आर्मी' कह सकते हैं।

मेरी दृष्टि में माजी महाराज कांकरोली और मेवाड़ की महिला शक्ति के लिए उल्लेखनीय आदि प्रेरणादायक व्यक्तित्व कही जा सकती हैं। निस्संदेह पुरुष प्रधान उस युग में माजी महाराज का नेतृत्व कितना चुनौतीपूर्ण रहा होगा, हम कल्पना कर सकते हैं।

प्रस्तोता

अफजल खां अफजल
वरिष्ठ साहित्यकार,
जलचक्की, कांकरोली, राजसमंद

मासिक "जयवर्द्धन" पत्रिका के ग्राहक बनें और आकर्षक डिस्काउंट पाएं

नाम-श्री/श्रीमती..

पता .... राज्य ....

फोन (निवास) ....मोबाइल ....ई-मेल ....

कृपया **जयवर्द्धन** के नाम से रु ....का डी.डी या चैक नं. ....

तिथि .... प्राप्त करें।

बैंक का नाम ....

(राजसमंद जिले से बाहर से भेजे गए चैक में कृपया 30/- रू अधिक भेजें।)

अवधि	अंकों की संख्या	कवर मूल्य	बचत	सब्सक्रिप्शन दर
1 वर्ष	12	240	40	200 रुपए
3 वर्ष	36	720	220	500 रुपए

जयवर्द्धन 3 वर्ष की बुकिंग से 220 रुपए की महाबचत

कृपया इस फार्म को भरकर डी.डी. या चैक के साथ हमें इस पते पर भेजें,
कार्यालय पता : C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट कांकरोली,
जिला-राजसमंद (राजस्थान) मोबाईल 9414239648, 9950084705

नियम और शर्तें :

1. यह योजना केवल भारत में ही मान्य है।
2. विशेष पेशकश सीमित अवधि के लिए है।
3. राजसमन्द जिले के बाहर से भेजे गए चैक में कृपया 30/- रू. अधिक भेजें।
4. पत्रिका साधारण डाक द्वारा भेजी जाएगी तथा डाक गुम हो जाने पर जिम्मेदारी संस्थान की नहीं होगी। सूचना प्राप्त होने पर यदि अंक उपलब्ध रहता है तो पुनः निशुल्क प्रेषित कर दिया जाएगा।
5. पहले अंक को आप तक पहुंचने में एकाध सप्ताह लग सकता है।
6. कूरियर रजि.डाक से मंगवाने के लिए ग्राहक को कूरियर रजि. डाक खर्च अतिरिक्त वहन करना होगा।
7. सभी विवादों का न्याय क्षेत्र राजसमन्द न्यायालय के अधीन होगा।

मेवाड़ कुंभ : चारभुजा गढ़बोर

राजसमंद जिले का यह गौरव है कि मेवाड़ के प्रमुख चार धामों में से तीन धाम इस जिले में है। वहीं त्याग, शौय और बलिदान की प्रतीक अमर समर स्थली हल्दीघाटी, शिल्प एवं वास्तुकल की दृष्टि से बेजोड़ अभेद दुर्ग कुंभलगढ़ तथा नौ चौकी नामक सुरम्य पर्यटन स्थल यहां स्थित है। जीवन के चार पुरूषार्थ माने गए है, जिनमें धर्म का संबंध प्रभु श्री एकलिंग नाथ से, अर्थ का श्रीनाथजी से, काम का प्रभु श्री द्वारकाधीश से और मोक्ष का संबंध श्री चारभुजानाथ के दर्शनों से प्राप्त होना बताया गया है।

भारतीय संस्कृति में मेलों को संस्कृति का संवाहक माना जाता है और ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारी गौरवशाली प्राचीन परम्पराओं को पोषित किया जाता रहा है। मेवाड़ में वैसे तो कई मेले प्रतिवर्ष आयोजित होते है, लेकिन भाद्रपद्र सुदी एकादशी को मेवाड़-मारवाड़ की सीमा पर वोराट क्षेत्र में आयोजित होने वाले देवझुलनी मेला चारभुजा का विशेष महत्व है। यह मेला राजस्थान के लक्खी मेलों में शामिल है, जिसमें करीब एक लाख से अधिक श्रद्धालु भाग लेते हैं। मेवाड़ ही नहीं , बल्कि राजस्थान के अलावा गुजरात, मालवा से प्रतिवर्ष हजारों लोग पदयात्रा कर इस मेले में पहुंच प्रभु दर्शन का लाभ उठाते हैं। विभिन्न जाति सम्प्रदाय से जुड़े लाखों लोगों के उफनते जन समुद्र के कारण इसे मेवाड़ कुभ के नाम से भी जाना जाता है।

गढबोर (चारभुजा) में पांडवकाल से स्थापित भव्य प्रभु श्री चारभुजा मंदिर में प्रति वर्ष जन्माष्टमी के साथ ही यात्रियों और श्रद्धालुओं की रैलम-पेल प्रारंभ हो जाती है। मंदिर में विविध मनोरथ एवं भजन-कीर्तन एवं जागरणों का क्रम शुरू हो जाता है, जो एकादशी तक चलता रहता है। मेले में दो दिन पूर्व ही पदयात्रियों का आना भी शुरू हो जाता है।

देवझुलनी एकादशी को प्रातः से ही प्रभु श्री के विशेष दर्शन शुरू होते हैं, जिसमें हजारों लोगों की सेवा पद्धति के अनुसार बारी-बारी से दर्शन कराए जाते हैं। दोपहर को मंदिर परामप्रा के अनुसार विमान यात्रा जैसे ही मंदिर से नीचे उतरती है कि हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैयालाल की... के गगनभेदी जयघोष के साथ सैकड़ों मन गुलाल हवा में उड़ने लगती है।

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

मंदिर चौक में उफनता जन समुद्र मस्त हो नाचने लगता है। यहां मानों ऐसा लगता है कि सांसारिक जीवन की कई कठिनाइयों को एकदम भूलकर मनुष्य प्रभु भक्ति में रम सा जाता है।

इसके बाद प्रारंभ होती है प्रभु श्री चारभुजानाथ के बाल स्वरूप की भव्य शोभायात्रा, जो होलीथान होती हुई दूध तलाई के लिए प्रयाण करती है। शोभायात्रा के दो किमी. लम्बे मार्ग में लोगों की ऐसी भीड़ जमा रहती है कि तिलभर की जगह कहीं दिखाई नहीं देती। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण बाल स्वरूप श्री चारभुजा का विमान, गीत गाती चलती गुर्जर बालाएं, छड़दार गुर्जर सेवक और मधुर स्वर लहरियों वाले बैण्ड वादक। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या आठ पर राजसमंद से 42 किमी दूर मेला स्थल पर पहुंचने के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की जाती है तथा अलग से मेला मजिस्ट्रेट लगाकर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था भी की जाती है।

यहां ऐसी मान्यता है कि द्वापर युग में प्रभु श्री चारभुजा जी की इस मूर्ति की पांडव पूजा किया करता थे तथा उन्होंने अपने अंतिम समय में इस मूर्ति को जलमग्न कर दिया। बाद में यह मूर्ति गंगदेव नामक क्षत्रिय को प्राप्त हुई। गंगदेव ने इसकी विधिवत पूजा प्रारंभ की। इस बीच मूर्ति भंजक आक्रांताओं के डर से उन्होंने इसे पुनः जलमग्न कर दिया। कालांतर में सुरा गुर्जर को प्रभु श्री स्वप्न में दर्शन आदेश हुआ, तो उन्होंने पुनः मूर्ति जल से निकाल कर पूजा प्रारंभ कर वर्तमान में मंदिर में प्रतिष्ठापित किया। वर्तमान में यहां भव्य शिखर बंद मंदिर है तथा यहां पर दिन में पांच बार आरती एवं दर्शन होते हैं। यहां पर भगवान को चावल, मिश्री एवं नारियल का भोग लगाया जाता है। यहां पर प्रतिवर्ष हजारों लोग संतान प्राप्ति की कामना पूर्ण होने पर प्रसादी का आयोजन करते हैं, वहीं जडुल्या (बाल) भी उतारते हैं।

दिनेश श्रीमाली
शिक्षाविद् राजसमंद
मो. 94141-76733

आपदा के सकारात्मक पहलू

यूं तो प्राकृतिक आपदा हमेशा कष्टदायक और त्रासदी भरा होता है, किन्तु आज मैं आपको इसके सकारात्मक पक्ष का बोध कराने के उद्देश्य से चंद शीर्षकों के तहत कुछ लिखने का दुस्साहस कर रहा हूं। जब भी भूकंप, सुनामी, महामारी, यातायात दुर्घटनाएं आदि घटित होती है, तो उसके निम्नांकित सकारात्मक साइड इफेक्ट देखने को मिलता है।

डिजिटल समाजसेवी का उदगम :

जब भी प्राकृतिक आपदा या महामारी फैलता है तो हर मुहल्ला से दो ढाई डिजिटल समाजसेवी की उत्पत्ति हो ही जाती है। सालभर ऑनलाइन रहने वाले ये समाजसेवी, पीड़ित और आश्रितों के पास अल्प सहायता सामग्री और हाय रिजोल्यूशन कैमरा वाले मोबाइल फोन के साथ पहुंच जाते हैं। फिर दर्जनभर आश्रितों के बीच एकाध पैकेट बिस्कुट, एकाध केला लेकर सहायतार्थ प्रकट हो जाते हैं। मुट्ठीभर आश्रितों में भले ही अधिकांश जरूरतमंद छूट जाए, लेकिन आश्रितों के हाथों में अपने करकमलों से प्रदान किए जाने वाले एक पीस बिस्कुट, केला, पावरोटी की सेल्फी अपने हाफदर्जन कार्यकर्ताओं के साथ खिंचवाना और सोशल मीडिया पर पोस्ट करना कदापि नहीं भूलते।

सरकारी राहत फंड का विकास :

भारतीय जीडीपी की दर बढ़े ना बढ़े, लेकिन आपदा के समय सरकारी कर्मचारियों, उद्योगपतियों, सेलिब्रिटियों आदि से प्राप्त सहायता राशि से सरकारी राहत फंड में गज़ब की वृद्धि होती है। राशि इतनी की आकस्मिक निधि या संचित निधि की राशि भी कम पड़ जाए। सबसे बड़ी बात इन अप्रत्याशित आकस्मिक आय का ना तो ऑडिट होता है और लेखा- जोखा का विवरणी।

आस्तिक प्रवृत्ति का विकास :

आस्तिक से घोर नास्तिक तक के बुद्धिजीवी का निराकार शक्ति ईश्वर/ अल्लाह/ गॉड/ वाहे गुरू के प्रति आस्था बढ़ जाती है। न्यूज चैनल से

एकटकिया सांध्य दैनिक पेपर तक में दुर्घटना/ महामारी/ सैलाब त्रासदी के दौरान 'जाको रखे साइयां' शीर्षक से नवजात से तीन दिनों तक जमींदोज व्यक्ति के सकुशल बच जाने जैसी चमत्कारिक खबरें आनी शुरू हो जाती है।

न्यूज़ चैनल का कार्यभार बढ़ जाना :

देश के हकीकत और हालात को दिखाने की बजाय दिनभर पांच से सात अतिथि को बुलाकर चिल्ला चिल्ली मचाने वाले, पाकिस्तान के आम नागरिकों की दुर्दशा, नेपाल की मंहगाई, चीन की औकात, अमेरिका की मित्रता और चीन की शत्रुता दिखाकर टीआरपी के जुगत में लगी निठल्ली चैनल के पत्रकारों को आपदा या त्रासदी के बाद सप्ताह दस दिनों तक विभिन्न सनसनीखेज शीर्षकों के तहत रोजगार मिल जाता है और आपदा के परिणाम, प्रभाव और बचाव की जागरूकता का सकारात्मक कार्यक्रम दिखाया जाने लगता है।

विनोद कुमार 'विक्की'
व्यंग्यकार, बिहार
मो. 77659-54969

दिये खुशी के जलाओ

दिये खुशी के जलाओ
तुम्हें जलते दिलों से क्या ?
हसरतें पूरी करलो तुम,
तुम्हें मिटते दिलों से क्या ?

गरीबों की उमंगों को,
डूबो दो गम के दरिया में,
करो आबाद महलों को,
तुम्हें गिरते मकां से क्या ?

संवारो इस तरह से कुछ
तुम अपने आशियानों को
कि फीके हो मकां सबके
तुम्हें उनके निंशा से क्या ?

तुम्हारी रोज दीवाली
हर एक रात उजयाली
मनाओ रोज दीवाली
तुम्हें मरते दिलों से क्या ?

अमीरों की दीवाली है,
गरीबों के दीवालों से ,
यही एक राज है अफ़जल
मनाएं हम दीवाली क्या ?

अफ़जल खां अफ़ज़ल
वरिष्ठ साहित्यकार
राजसमंद

राजसमंद जिले की खबरों से अपडेट रहने के लिए सब्सक्राइब करें
YouTube Channel
Jaivardhan News

भारत स्टेज इमीशन स्टैंडर्ड 06 : वायु प्रदूषण के संदर्भ में भारतीय मानक

आधुनिक संसार में तेजी से बदलते परिवेश में सबसे अधिक नुकसान यदि धरती के किसी पहलू को हुआ है, तो वह पहलू पर्यावरण है। आज जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण अपने चरम स्तर पर आ चुके हैं और यदि इस तथ्यों को ना संभाला गया, तो भविष्य में बढ़ती हुई जनसंख्या को सामान्य वायु व सामान्य जल की उपलब्धता की मात्रा नगण्य हो जाएगी। विश्वभर में युद्धस्तर पर प्रयास जारी हैं कि हम किस तरह से अपनी संपदा को बचाकर रखें या उसे यथावत बनाकर रखें। आज हम टेक्निनकल विंडो के इस खंड में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वाहनों के मानकीकरण पर कुछ चर्चा करेंगे। जैसा की विदित है कि भारत में एक अप्रैल 2020 से भारत स्टेज- 6 (BS-6) मानक वाली गाड़ियां या वाहन बिकने का प्रावधान रखा गया है। क्योंकि इस मानक का पालन करने वाली गाड़ियां या वाहन BS- 4 से बेहतर है और कम प्रदूषण करती हैं। अब यहां सवाल यह है कि BS-6 क्या है और BS- 4 से यह बेहतर क्यों है और इससे भी पहले यह प्रश्न आता है कि यह बीएस या भारत स्टेज है क्या ? तो आइए हम शुरूआत ही बीएस से करते हैं। बीएस का विस्तार BSES है, जिसे कि Bharat Stage Emission Standard 'भारत स्टेज इमीशन स्टैंडर्ड' उच्चारित किया जाता है। यह वायु प्रदूषण का वाहनों के संदर्भ में भारतीय मानक है। इसका सीधा संबंध गाड़ियों से निकलने वाले गैसों के उत्सर्जन से होता है, यहां उत्सर्जन से उत्सर्जित गैसों में प्रदूषण के कणों की संख्या के आधार पर मानकों के मानक का स्तर निर्धारित किए जाते हैं।

Standard	Reference	Year	Region
India 2000	Euro 1	2000	Nationwide
		2001	NCR, Mumbai, Kolkata,C hennai
Bharat Stage - II	Euro 2	2003	NCR, 13 Cities†
		2005	Nationwide
Bharat Stage - III	Euro 3	2005-04	NCR, 13 Cities†
		2010	Nationwide
Bharat Stage - IV	Euro 4	2010	NCR, 13 Cities†
		2017	Nationwide
Bharat Stage - V	Euro 5	(To be skipped)	
Bharat Stage - VI	Euro 6	2018	Delhi
		2019	NCR
		2020	Nationwide

Table-1: EURO and BSES along with Date of Activation
Reference: https://en.wikipedia.org/wiki/Bharat_stage_emission_standards

भारत स्टेज (बीएस) मानक के मापदंड या मानदंड यूरोपियन स्टैंडर्ड EURO (यूरो) के अनुसार निर्धारित किए जाते हैं। इसी आधार पर सर्वप्रथम भारत में वर्ष 2000 में India-2000 को लागू किया गया। इसके बाद BS- 2 और BS-3 को क्रमशः 2001से 2005 और 2005 से 2010 में लागू किया गया। इन मानकों को शहर, कस्बों व महानगर की स्थितियों के आधार पर विभिन्न चरणों मे लागू किया गया था। इसके बाद BS- 4 को 2010 से 2017 के मध्य चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया। यहा यह ध्यान देने योग्य है कि BS- 5 को पर्यावरण की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर छोड़ दिया गया है व सीधे ही BS-6 को लाया गया है। वर्ष 2018 में BS- 6 को भारत के कुछ हिस्सों में लागू कर दिया गया। अतः 2018

से वर्ष 2020 के दौरान विभिन्न चरणों में BS- 6 को भारत में लागू किया जा रहा है। अतः स्पष्ट शब्दों में यह कहा जाए तो भारत स्टेज इमीशन स्टैंडर्ड को सत्र 2000 में भारत में लागू किया गया था, जो कि गाड़ियों/ वाहनों से निकलने वाले प्रदूषित कणों/ गैसों व पोल्यूटेंट को नियंत्रित करने से संबंधित है और भारत स्टेज, यूरोपियन मानक EURO पर आधारित है। इस मानक के आधार पर वाहनों की प्रदूषण करने की एक तय सीमा होनी चाहिए। जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर और सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर की मात्रा के उत्सर्जन को नियंत्रित करना है।

वर्तमान में भारत स्टेज इमीशन स्टैण्डर्ड - 6 एक अधिक प्रतिबंध वाला मानक है, जो वायु प्रदूषण को अत्यधिक तीव्र गति से नियंत्रित करने में सहायक है। BS- 6 मानक के वाहनों के इंजन में विशेष फिल्टर तंत्र होते हैं, जिससे 80 से 90% पीएम 2.5 जैसे प्रदूषित कणों को वातावरण में जाने से रोका जा सके। इससे नाइट्रोजन ऑक्साइड पर नियंत्रण लग सकेगा।

BS-6 मानक में वाहनों के ईंधन (fuel) में भी शोधन किया जाएगा। क्योंकि BS-6 इंजन में बीएस- 6 कंप्लाइंट इंजन फ्यूल की जरूरत होगी। जिस हेतु भातीरय तेल कंपनियों ने पहले ही BS-6 ग्रेड पेट्रोल और डीजल का परिष्करण व वितरण प्रारंभ कर दिया है। एक बड़ा अंतर BS- 6 और BS- 4 के ईंधन में यह है कि BS- 6 इंजन में 5 गुना कम सल्फर ट्रेसेस (10 parts per million) पाये जाते हैं। जो कि BS- 4 में 50 PPM तक होते हैं। BS- 6 इंधन में नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा को (डीजल इंजन) में लगभग 70% कम किया जा रहा है। वही पेट्रोल इंजन में यह 25 प्रतिशत कम होगा। BS- 6 में ऑन बोर्ड डायग्नोसिक (OBD) भी शामिल किया जाएगा। साथ ही रियल ड्राइविंग इमिशन (RDE) को भी प्रथम बार शामिल किया जाना प्रस्तावित है। BS- 6 डीजल इंजन में डीजल पार्टिकुलेट फिल्टर (DPF) और सलेक्टीव केटालिटिक रिडक्शन (SCR) को जोड़ा जाएगा। BS-6 डीजल इंजन में काफी सोफिस्टिकेटेड इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स और रि-डवलप एग्जास्ट सिस्टम का इस्तेमाल होना है।

अब यहां यह सवाल प्रमुख है कि BS-4 ओर BS-6 में क्या अंतर है। अतः सीधे शब्दों में कहे, तो यह कह सकते हैं कि BS-6 के मानक के वाहनों में प्रदूषण फैलाने वाले व गैसों की मात्रा कम होगी। जैसे BS-3/4 इंजन में सल्फर की

मात्रा 50 पीपीएम तक होती है जो कि BS-6 में 10 पीपीएम तक रह जाती है।

हम BS- 4 व BS-6 में अंतर को टेबल (Table-2) के डाटा के माध्यम से समझ सकते हैं। कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO) उत्सर्जन मुख्यतः पेट्रोल इंजन में पाया जाता है, जिसका स्तर 2.30 से 1.00 g/km किया जाना सुनिश्चित होता है। हाइड्रोकार्बन (HC) का उत्सर्जन 0.20 से 0.10 g/km अर्थात आधे से कम रह जाएगा। नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) के उत्सर्जन में भी भारी कमी होने वाली है। यह BS-6 इंजन में 0.06 g/km रह जाएगी। डीजल इंजन में यह 0.25 तथा पेट्रोल में 0.08 g/km होती है। इसी प्रकार HC + NOx डीजल इंजन में कम हो रहा है और पार्टिकुलेट मैटर (PM) डीजल इंजन में 0.5 से 0.005 g/km रह जाता है।

Petrol Emission Norms (All figures in g/km)

Emission Norm	CO	HC	NOx	HC+NOx	PM
BS-III	2.30	0.20	0.15	—	—
BS-IV	1.00	0.10	0.08	—	—
Euro 6	1.00	0.10	0.06	—	0.005

Diesel Emission Norms (All figures in g/km)

Emission Norm	CO	HC	NOx	HC+NOx	PM
BS-III	0.64	—	0.50	0.56	0.05
BS-IV	0.50	—	0.25	0.30	0.025
Euro 6	0.50	—	0.06	0.17	0.005

BS- 6 से वाहनों में बदलाव : वाहनों का प्रदूषण कम करने के एवं उन्हें उन्नत करने के क्रम में इंजन को छोटा करना आवश्यक होगा, जिससे ईंधन की खपत कम होगी। हाइब्रिड इंजन की मांग बढ़ेगी, जिससे कम ईंधन में अधिक परफॉर्मेंस मिले, जो कि फ्यूल इकोनामी को बढ़ाएगी। पेट्रोल वाहन निर्माता कंपनी को कम कार्बन मोनो ऑक्साइड उत्सर्जन वाले इंजन बनाने होंगे और बहुत मुमकिन है कि गैसोलीन डायरेक्ट इंजेक्शन इंजन का भी उपयोग करना पड़ सकता है। वाहनों में नाइट्रोजन ऑक्साइड नियंत्रण करने के लिए सेल्फ कैटालिटिक रिडक्शन सिस्टम लगाना होगा। साथ ही डीजल पार्टिकुलेट फिल्टर जरूरी होगा, जो इंजन के कंपार्टमेंट में लंबवत लगाया जाएगा। अतः वाहन इंजन की डिजाइन पर भी कार्य करना होगा और बहुत ही कम उत्सर्जन होने हेतु अंतर- दहन प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए माइक्रोप्रोसेसर का उपयोग किया जा रहा है।

BS-6 इंजन से युक्त वाहनों का माइलेज भी प्रभावित होगा। निश्चित ही नई मानक वाली गाड़ियां अधिक माइलेज देंगी। बीएस- 6 के स्तर पर वाहनों की गुणवत्ता बहुत ही बेहतर होंगीए प्रदूषण काफी हद तक कम होगा व शहरों की हवा ज्यादा शुद्ध होगी। वाहनों की कीमत भी बढ़ेगीए नए इंजन में इलेक्ट्रिक किट व कोम्प्लेक्स वायरिंग सिस्टम सहित सेन्सर होने से दाम बढ़ने की संभावना है। सामान्यतः BS-6 गाड़ियां 15% तक महंगी होंगी। साथ ही इसमें इस्तेमाल होने वाले ईंधन का दाम भी बढ़ेगा। तकनीकी रूप से ऑयल रिफायनरी ईन्फ्रास्ट्रक्चर में बदलाव लाना होगा। जहां देश में छोटी कारें चलन में है, वहां डीपीएफ एवं एससीआर मॉड्यूल को फिट करने के लिए कार के इंजन के डिजाइन में परिवर्तन करना होगा, जो कि वाहनों के दाम बढ़ा सकती हैं।

चुनौतियों के अंतर्गत BS-6 का मानक लागू किया जाना कई पहलुओं से महत्वपूर्ण भी है। उपभोक्ता के लिए यह बहुत लाभदायक निर्णय है। पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण के लिए भी यह बहुत कारगर है, परंतु कार निर्माता के लिए इस मानक के वाहन बनाना चुनौतियों से भरा है। ऑटोमेकर्स एवं ऑटोमोबाइल कम्पनी को अपना पूरा ध्यान BS-6 इंजन की तरफ लगाना होगा। इस दौरान non- compliancy की वजह से डीजल इंजन वाहन बिक्री को बड़ा झटका लगा है और उनकी बिक्री में भी कमी दर्ज की जा रही है। परिष्कृत इंजन हेतु इंधन को उन्नत करना भी चुनौतीपूर्ण है, जो कि उत्पादन की कीमत को प्रभावित कर रही है। जैसा कि पहले बताया गया है कि वाहनों की कीमत में 15% तक बढ़ोतरी होगी या हो चुकी है।

अतः यह कहा जा सकता है कि सभी प्रयासों में चुनौतियों के बाद भी BS-6 भारत के पर्यावरण के लिए बहुत ही लाभकारी निर्णय में से है, जो पर्यावरण प्रदूषण और विभिन्न बीमारियों को कम करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, तो यह भी कहा जा सकता है कि वाहन की कार्य दक्षता, माइलेज, गुणवत्ता एवं तकनीकी में एक उच्च स्तरीय परिवर्तन देखने में आएगा। इसके साथ ही प्रदूषण के स्तर में कमी होगी, जिससे वातावरण शुद्ध होगा और विशेष रूप से व्यक्ति का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा।

डॉ. संजय गौड़
प्रोफेसर, लेखक भवानीनगर
राजसमंद, मो. 97846-52469

दीपोत्सव की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
वार्डपंच :- जालमलाल, सीमा बाई,
देवजी रेबारी, कंकु बाई, किशनलाल,
रूपसिंह, सन्तु बाई, नरेश,
धर्मा, झमकू बाई एवं समस्त ग्रामवासी
कोरोना वायरस के लक्षण :- बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ
सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनायें पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।
लीला बाई गमेती
सरपंच
भंवरलाल रेबारी
उपसरपंच
अपील : आपका वोट सहयोग देगा एक सुदृढ़ भारत निर्माण में,
अपना फर्ज निभाएं मतदान करने जरूर जाएं।
ग्राम पंचायत नेड़च, पंचायत समिति देलवाड़ा

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
कुलदीपसिंह गौड़
समाज सेवी

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
बाबूलाल राठौड़
समाज सेवी, चारभुजा गढ़बोर
HAPPY
Diwali

श्रीमती सुन्दरदेवी
सरपंच

दीपोत्सव की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

दो गज दूरी, मास्क है जरूरी

मनोहरकीर
पूर्व सरपंच

अपील **कोरोना वायरस के लक्षण :-** बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ

सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनायें पंचायत को स्वच्छ बनाएं रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।

◆ जन्म मृत्यु व विवाह का पंजीयन अवश्य करवाएं। ◆ श्रमिक कार्ड, भामाशाह एवं आधार कार्ड बनवाएं। ◆ बिजली व पानी बचाएं व ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाऐं।◆ कैशलेस कार्य प्रणाली को अपनाएं ◆ ग्राम सभा में भाग लेंवे, शिक्षा को बढ़ावा देवें। ◆ कूड़ा-करकट कचरा पात्र में ही डालें, गांव को साफ रखे। ◆पूरे गांव को जल विषय पर आत्मनिर्भर बनाना। ◆ जल की बचत अधिक उपज

ग्राम पंचायत पीपली आचार्यान, पंचायत समिति राजसमंद

दीपोत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं

शुभदिपावली

कन्हैयालाल खटीक
राजकुमार खटीक, शांतिलाल खटीक

लाल बाग, नाथद्वारा जिला-राजसमंद मो. 9414343097

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
प्रवीण मेवाड़ा
सरपंच
ग्राम पंचायत लावासरदारगढ़, पंचायत समिति आमेट

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सुरेश पालीवाल
सभापति
नगर परिषद, राजसमंद

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अर्जुन मेवाड़ा
उप सभापति
नगर परिषद, राजसमंद

मात्र
200/-
में सालभर आएगी
जयवर्द्धन
आज ही कॉल कर बुक कराएं प्रति:
94142-39648

जयवर्द्धन NEWS

राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए

YouTube Channel Jaivardhan News

जयवर्द्धन

कार्यालय पता : C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट कांकरोली,
जिला-राजसमंद, 9414239648, 9672980901
Email : jaivardhanpatrika@gmail.com

To